सान्ध्य हिन्दी दैनिक | जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गो के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 141 | जौनपुर, शुक्रवार, 16 फरवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

पीएम मोदी हरियाणा को देगें 9,750 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हरियाणा के रेवाड़ी का दौरा करेंगे। इस दौरान वह शहरी परिवहन, स्वास्थ्य, रेल और पर्यटन क्षेत्र से संबंधित 9,750 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में यह जानकारी दी। इसके मुताबिक, वह रेवाड़ी में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की आधारशिला रखेंगे और रेलवे की कुछ परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित भी करेंगे। पीएमओ ने कहा कि देश भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप रेवाड़ी में एम्स की आधारशिला रखी जा रही है। लगभग 1,650 करोड़ रुपये की लागत से

बनने वाले एम्स रेवाड़ी को रेवाड़ी के गांव माजरा मस्तील भारखी में 203 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा। इसमें 720 बिस्तरों के साथ अस्पताल परिसर, 100 सीट के साथ मेडिकल कॉलेज, 60 सीट के साथ नर्सिंग कॉलेज, 30 बिस्तरों के साथ आयुष ब्लॉक, संकाय और कर्मचारियों के लिए आवासीय आवास, स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए छात्रावास, रात्रि विश्राम गृह, गेस्ट हाउस, सभागार आदि सुविधाएं होंगी। पीएमओ ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएस एसवाई) के तहत स्थापित यह एम्स हरियाणा के लोगों को व्यापक गुणवत्ता और समग्र देखभाल की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा। यहां कार्डियोलॉजी, गैस्ट्रो–एंटरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, एंडोक्रिनो लॉजी, बर्न्स और प्लास्टिक सर्जरी सहित अन्य देखभाल सेवाएं उपलब्ध होंगी। संस्थान में गहन देखभाल इकाई, आपातकालीन और ट्रॉमा यूनिट, सोलह मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, डायग्नोस्टिक प्रयोग शालाएं, ब्लड बैंक, फार्मेसी आदि की सुविधाएं भी होंगी। पीएमओ ने कहा कि हरियाणा में एम्स की स्थापना हरियाणा के लोगों को व्यापक, गुणवत्तापूर्ण और समग्र देखभाल की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अपने इस दौरे पर प्रधानमंत्री, गुरुग्राम मेट्रो रेल परियोजना की आधारशिला भी रखेंगे जिसे लगभग 5,450 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जाएगा। करीब 28.5 किलोमीटर की कुल लंबाई वाली यह परियोजना मिलेनियम सिटी सेंटर को उद्योग विहार फेज–5 से जोड़ेगी और साइबर सिटी के पास मौलसारी एवेन्यू स्टेशन पर रैपिड मेट्रो रेल गुरुग्राम के मौजूदा मेट्रो नेटवर्क से जुड़ेगी।

दिल्ली हाई कोर्ट को बम से उड़ाने की मिली धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को बुधवार को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद दिल्ली हाई कोर्ट में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। बलवंत देसाई के नाम से लिखे गए ईमेल में कहा गया है कि गुरुवार, 15 फरवरी 2024 को एक बम विस्फोट होगा। रजिस्ट्रार जनरल को भेजे गए ईमेल संदेश में कहा गया है कि मैं तुम्हें 15/02/2024 को बम से उड़ा दूंगा। ये सबसे बड़ा धमाका होगा. आप यथासंभव अपनी सुरक्षा बढ़ाएँ और सभी मंत्रियों को बुलाएँ। सबके होश उड़ जायेंगे। धमकी के जवाब में, उच्च न्यायालय ने ईमेल की जांच शुरू कर दी है और आज एक सुरक्षा अभ्यास आयोजित कर रहा है। सुरक्षा अभ्यास का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अदालत परिसर और उसके भीतर मौजूद लोगों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक सावधानियां बरती जाएं। दिल्ली पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियां भी सतर्क हो गई हैं और मामले की जांच करने और अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करने के लिए उच्च न्यायालय के साथ मिलकर काम कर रही हैं। उच्च न्यायालय के प्राधिकारियों ने मामले की विस्तृत जांच कराने और जल्द से जल्द एक रिपोर्ट सौंपने की मांग की है। दिल्ली उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता मोहित माथुर ने कहा कि उच्च न्यायालय के बाहर पहले हुए बम विस्फोट को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी कोई जोखिम नहीं लेना चाहते और सुरक्षा कड़ी कर दी गयी है।

संक्षिप्त खबरें

पीएम मोदी अमीरों के लिए काम करते हैं, हमने किसानों का कर्ज माफ किया – राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार पर केवल अमीरों के लिए काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी पार्टी के नेतृत्व वाली तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार ने किसानों का कर्ज माफ कर दिया था। बिहार के औरंगाबाद जिले में एक रैली में गांधी ने यह भी कहा कि अगर उनकी पार्टी को वोट दिया गया तो कांग्रेस जाति आधारित जनगणना कराने के बाद एक व्यापक वित्तीय सर्वेक्षण कराएगी ताकि संसाधनों के स्वामित्व में असमानता को प्रकाश में लाया जा सके। कांग्रेस नेता की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' एक दिन के ठहराव के बाद औरंगाबाद से बृहस्पतिवार को फिर से शुरू हुई। रैली में राहुल ने जाति आधारित जनगणन को एक तरह का 'एक्स–रे' करार दिया। लगभग 45 मिनट तक चले अपने भाषण में गांधी ने भाजपा–आरएसएस पर एक समुदाय को दूसरे से लड़ाने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि विभाजनकारी राजनीति ने ही मणिपुर में आग लगाने का काम किया। गौरतलब है कि गांधी ने पिछले महीने मणिपुर से अपना देशव्यापी दौरा शुरू किया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राहुल से पहले रैली को संबोधित किया। इसमें पार्टी के कई अन्य शीर्ष नेता भी उपस्थित थे।

हेमंत सोरेन को 22 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया

नई दिल्ली, एजेंसी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गुरुवार को एक विशेष पीएमएलए अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में थे। पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि हेमंत सोरेन को आज विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया और उन्हें 22 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। हम उनके लिए जमानत याचिका दायर करेंगे। सोरेन को अदालत से रांची की बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल में स्थानांतरित कर दिया गया है. उन्हें 31 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था और तब से वह ईडी की हिरासत में हैं। अदालत ने शुरू में पांच दिनों की ईडी हिरासत दी, जिसे बाद में कुल सात दिनों के लिए दो बार बढ़ाया गया। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोप लगाया कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन धनशोधन जांच में घोर असहयोग पूर्ण रवैया दिखा रहे हैं। सोरेन कथित तौर पर अपने द्वारा अर्जित की गई भूमि के बारे में जानकारी देने के इच्छुक नहीं हैं।

प्रदर्शनकारियों से बातचीत के लिए सरकार के दरवाजे खुले - अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, एजेंसी। किसानों के प्रदर्शन के पीछे कुछ लोगों द्वारा राजनीतिक रोटी सेंकने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने दावा किया कि मोदी सरकार बीते 10 साल से किसान कल्याण के लिए न केवल

प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है, बल्कि कई योजनाओं को धरातल पर लागू कर करोड़ों किसानों को लाभ भी पहुंचाया है। प्रदर्शन कर रहे किसानों की मांगों की सूची में नए–नए मुद्दे जोड़े जाने पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदर्शनकारियों को समझना चाहिए कि एकदम से नए मुद्दों को चर्चा में जोड़ते रहने से उनका तत्काल समाधान नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, सरकार किसानों से सदैव चर्चा के लिए तैयार है और इसीलिए केंद्रीय मंत्री चंडीगढ़ गए। किसानों के प्रदर्शन से जुड़े पहलुओं पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि सरकार स्पष्ट चर्चा की पक्षधर है। इसीलिए बातचीत से उठकर हम नहीं गए, प्रदर्शनकारी पहले चले गए, फिर भी हम चर्चा को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि यदि आप भारत के डब्ल्यूटीओ से अलग होने, फ्री ट्रेड एग्रीमेंट खत्म करने, स्मार्ट मीटर बंद करने से लेकर पराली वाले विषय के साथ कृषि को जलवायु परिवर्तन के मुद्दे से बाहर करने की बात करेंगे तो यह एक–दो दिन के निर्णय नहीं हैं। इसमें सभी स्टेकहोल्डर और राज्यों से बात करनी होगी। इसलिए, सरकार ने विस्तृत चर्चा के लिए कमेटी बनाने का प्रस्ताव भी दिया है। आंदोलन के उद्देश्य पर सवाल उठाते हुए अनुराग ने कहा, कुछ लोग इस मुद्दे पर राजनीतिक रोटियां सेकना चाहते हैं। इस क्रम में उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि 2013–14 में जब उनकी सरकार थी, तब यूपीए काल का सबसे ज्यादा कृषि बजट 27 हजार 662 करोड़ रुपये था। अभी मोदी सरकार का कृषि बजट एक लाख 25 हजार करोड़ से ज्यादा है। कांग्रेस के समय किसान सम्मान निधि नहीं थी। आज हम इसके माध्यम से 11 करोड़ से ज्यादा किसानों को दो लाख 81 हजार करोड रुपये सीधे उनके खाते में दे चुके हैं। फसल बीमा योजना में मोदी सरकार के दौरान डेढ़ लाख करोड़ से ज्यादा का मुआवजा किसानों को मिला है। फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी का आंकड़ा देते हुए उन्होंने कहा कि यूपीए की तुलना में पिछले 10 साल में इसमें ज्यादा वृद्धि हुई है। सूचना प्रसारण मंत्री ने कहा कि 60 साल कांग्रेस की केंद्र में सरकार रही, लेकिन किसानों के हित के लिए इन्होंने कुछ नहीं किया।

रेल मंत्री अश्विनी ने ओडिशा से राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा की तीन राज्यसभा सीट पर होने वाले चुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के तौर पर बृहस्पतिवार को नामांकन पत्र दाखिल किए। वैष्णव ने ओडिशा विधानसभा परिसर में राज्यसभा निर्वाचन पीठासीन अधिकारी अबनीकांत पटनायक के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किए। राज्य में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) ने बुधवार को राज्यसभा चुनाव में वैष्णव की उम्मीदवार के समर्थन का ऐलान किया था। बीजद ने 2019 में राज्यसभा चुनाव के दौरान भी वैष्णव की उम्मीदवारी का समर्थन किया था। रेलवे, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री वैष्णव के साथ नामांकन दाखिल करते समय भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल और पार्टी के 13 विधायक मौजूद थे। केंद्रीय मंत्री ने

जब नामांकन पत्र दाखिल किया, तब बीजद का कोई भी नेता मौजूद नहीं था। वैष्णव ने जब 2019 के राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए थे, तब बीजद नेता सस्मित पात्रा और अमर पटनायक मौजूद थे। बीजद के दो उम्मीदवार देबाशीष सामंतराय और सुभाशीष खुंटिया पहले ही राज्यसभा चुनाव के लिए अपने नामांकन पत्र दाखिल कर चुके हैं। ओडिशा विधानसभा में बीजद विधायकों की संख्या को देखते हुए उसके तीन उम्मीदवारों की जीत तय मानी जा रही है। हालांकि, नवीन पटनायक की पार्टी ने दो उम्मीदवार उतारने को प्राथमिकता दी और एक सीट भाजपा उम्मीदवार वैष्णव के लिए छोड़ दी। ओडिशा से राज्यसभा सदस्य के रूप में वैष्णव, अमर पटनायक और प्रशांत नंदा का कार्यकाल इस साल अप्रैल में समाप्त होगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राम मंदिर समेत तीन स्मारक सिक्के किए जारी

नई दिल्ली, एजेसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को एक कार्यक्रम के दौरान तीन स्मारक सिक्के जारी किए। इनमें अयोध्या के राम मंदिर की थीम पर आधारित सिक्के के साथ ही भगवान बुद्ध और एक सींग वाले गैंडे पर आधारित सिक्का शामिल है। राम मंदिर की थीम पर आधारित सिक्के की एक ओर राम लला और दूसरी ओर राम मंदिर की तस्वीर है। उन्होंने इस दौरान सिक्यूरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कोरपोरेशन आफ इंडिया (एसपीएमसीआइएल) के कार्यक्रम में उपस्थित कर्मियों को संबोधित भी किया। उन्होंने एसपीएम सीआइएल के कर्मचारियों से कहा कि वे भारत की विकसित देश की यात्रा में प्रासंगिक बने रहने के तरीकों पर आत्मनिरीक्षण करें।

डिजिटल युग मं आत्म निरीक्षण जरूरी – वित्त मंत्री

आप डिजिटल युग में कार्य कर रहे हैं। आपको आत्मनिरीक्षण करना होगा कि ऐसा आपके पास भविष्य के लिए क्या होगा। यह मैं आप पर छोड़ता हूं कि आप कैसे इसे लेकर बदलाव करेंगे। आप किस तरह एक विकसित भारत और नए डिजिटल भारत के साथ सामंजस्य बिठाएंगे जो हर क्षेत्र में तकनीक की मदद से आगे बढ़ रहा है। कहा कि एसपी एमसीआइ एल की ई–पासपोर्ट ट्रैक एंड ट्रेस सिस्टम जीवन को आसान बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

आधी आबादी को उपेक्षित कर नहीं हो सकता विकास - सीएम योगी

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यदि एक महिला आत्मनिर्भर होती है तो समाज स्वतः सशक्त होता है। जिस समाज में महिला सशक्त होती है, उस समाज को आगे बढ़ने से कोई नही रोक सकता। वर्ष 2047 में जब देश आजादी का 100वां वर्ष पूरा करेगा तो हमे एक विकसित भारत मिलेगा जिसमें देश की आधी आबादी अपना विकास करेगी। महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रत्येक स्तर पर प्रयास करेगी ताकि उनकी सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन का कार्य सुनिश्चित रहे। सीएम योगी गुरुवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से जुड़ी लाभार्थी महिलाओं से संवाद और 3617 स्वयं सहायता समूहों को 54 करोड़ 25 लाख रुपये का अंशकालिक ऋण भी वितरित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी को विकसित करके ही सरकार विकास की नई ऊंचाईयों को प्राप्त कर पायेगी। सरकार सभी महिलाओं को आश्वस्त करती है कि उनके हितो के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेगी। शासन की योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने का कार्य पूरी जिम्मेदारी के साथ करेगी। पीएम मोदी के नारी सम्मान व सुरक्षा के विजन के अनुसार गोरखपुर के सभी महिला स्वयं सहायता समूहों एवं एनजीओ, राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन के तहत अपने पैरों पर खड़ा होकर स्वावलम्बन

का जीवन व्यतीत कर रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि पिछले लोकसभा सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा व विधानसभा में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया। इसके तहत अब लोकसभा व विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ प्राप्त होगा। विगत समय से लोकसभा व विधानसभाओं में देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व बहुत कम था। अब बिना किसी भेदभाव के उनका 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी ने महिला सशक्तिकरण के लिए विभिन्न कार्यक्रम शुरू किये हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना योजना आदि की केन्द्र बिन्दु महिलाएं रही हैं। प्रधानमंत्री के विजन के अनुसार आज हर, महिला, किसान को बिना भेदभाव के सभी सुविधाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिनके पास आवास नहीं होता वे बहुत कष्ट में रहते है, महिलाएं उससे और कष्ट में रहती हैं। शासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से केवल गोरखपुर में 61556 पात्रों को आवास का लाभ मिला है।

संदेशखालि को आरएसएस ने बनाया अपना बंकर - सीएम ममता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के संदेशखालि में टीएमसी नेताओं और कार्यकर्ताओं की ओर से किये गये हिंदू महिलाओं के यौन उत्पीड़न का मुद्दा अब राजनीतिक रंग ले चुका है। जहां एक ओर भाजपा संदेशखालि की महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए विधानसभा से लेकर सड़कों तक में हंगामा कर रही है वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि संदेशखालि में राजनीतिक साजिशें हो रही हैं। उन्होंने इस मुद्दे पर विधानसभा में दिये बयान में कहा है कि हमने इस मामले में कार्रवाई की है और जांच के लिए कमेटी बनाई है लेकिन माहौल बिगाड़ने के लिए भाजपा बाहर के लोगों को यहां ला रही है। ममता बनर्जी ने यहां तक आरोप लगाया कि संदेशखालि आरएसएस का बंकर है और भाजपा ने इस क्षेत्र को दंगा स्पॉट बना दिया है। ममता बनर्जी ने कहा कि हमने कभी अन्याय का समर्थन नहीं किया और इस मामले

में अब तक 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि ममता बनर्जी ने टीएमसी नेता शाहजहां शेख की गिरफ्तारी पर कुछ नहीं कहा जोकि पिछले महीने से फरार है। हम आपको बता दें कि शाहजहां शेख और उसके सहयोगियों के खिलाफ जबरन जमीन पर कब्जा करने और हिंदू महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने जैसे गंभीर आरोप हैं। पिछले महीने प्रवर्तन निदेशालय की टीम राशन घोटाले की जांच के सिलसिले में शाहजहां शेख के आवास पर छापेमारी करने गई थी। इस दौरान शाहजहां शेख समर्थकों ने ईडी के अधिकारियों पर हमला कर दिया था। दूसरी ओर भाजपा ने कहा है कि पश्चिम बंगाल पुलिस चूंकि आरोपियों से मिली हुई है इसलिए इस मामले की एनआईए से जांच करानी चाहिए क्योंकि यह एक बड़ी साजिश नजर आ रही है। भाजपा ने स्थानीय महिलाओं से बात करने के लिए पार्टी की एक समिति भी गठित की है। राज्यपाल ने भी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि पुलिस संदेशखालि में उपद्रवी तत्वों से मिली हुई है। यहां तक कि स्थानीय महिलाएं भी मीडिया से बातचीत में यही कह रही हैं कि उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है और उन्हें भय है कि जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है वह छूटने के बाद उनके साथ क्या बर्ताव करेंगे। इस बीच, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के एक दल ने आज पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हिंसाग्रस्त संदेशखालि का दौरा किया। आयोग के अध्यक्ष अरुण हलदर के नेतृत्व में दल ने इलाके के निवासियों से बात की जहां मुख्य रूप से अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा समुदाय के लोग रहते हैं। इस दौरान यौन उत्पीड़न झेलने वाली महिलाओं ने अपनी जो दासतां सुनाई उसे सुन कर आयोग का दल हैरान रह गया। एक ओर जहां अध्यक्ष अरुण हलदर ने आरोप लगाया कि हमारे कार्य में बाधा पहुँचाई जा रही है वहीं राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की सदस्य अंजू बाला ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कुछ भी बताना नहीं चाहतीं और महिलाओं पर अत्याचार की थ्प्त दर्ज नहीं करतीं इसलिए देश उन्हें माफ नहीं करेगा। हम चाहते हैं कि संदेशखालि की घटना को देखते हुए यहां राष्ट्रपति शासन लगाया जाए क्योंकि यहां लोग बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं हैं। हम आपको यह भी बता दें कि एक ओर जहां टीएमसी के नेताओं द्वारा स्थानीय लोगों के साथ किए जा रहे अत्याचारों को लेकर इलाके में विरोध प्रदर्शन जारी है। वहीं पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने भाजपा के अन्य विधायकों के साथ बस से संदेशखालि के लिए रवाना हुए। इस मुद्दे को लेकर भाजपा की ओर से पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन किये जा रहे हैं साथ ही पश्चिम बंगाल विधानसभा में भाजपा के विधायकों ने संदेशखालि मुद्दे पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बयान देने की मांग करते हुए आज सदन से श्वॉक आउटश भी किया। उधर, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी सांसदों की छह सदस्यीय एक समिति गठित की है जो शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के संदेशखालि का दौरा करेगी। भाजपा की ओर से जारी एक बयान के अनुसार केंद्रीय मंत्री प्रतिमा भौमिक और अन्नपूर्णा देवी, सांसद सुनीता दुग्गल, कविता पाटीदार, संगीता यादव और उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी व राज्यसभा के सदस्य बृजलाल समिति का हिस्सा हैं। हम आपको यह भी बता दें कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने गृह मंत्रालय को एक रिपोर्ट सौंपी है, जिसमें उन्होंने पुलिस पर संदेशखालि में ''उपद्रवी तत्वों'' के साथ मिले होने का आरोप लगाया है। राजभवन सूत्रों ने बताया है कि राज्यपाल बोस ने रिपोर्ट में कहा है।

संपादकीय

प्रगतिशील जेल प्रणाली

न्याय और मानवाधिकारों के सिद्धांतों पर बने समाज के लिए, कैदियों के साथ व्यवहार इन मूल्यों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण उपाय बन जाता है। अन्य इंसानों की तरह कैदी भी अधिकारों के हकदार हैं, लेकिन उनके अधिकारों का अक्सर उल्लंघन किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट का हालिया हस्तक्षेप कैदियों के साथ घटिया व्यवहार को संबोधित करता है, जिसमें कैद के बावजूद मौलिक अधिकारों के उनके अधिकार पर जोर दिया गया है। संवैधानिक अधिकारों के साथ इंसान के रूप में पहचाने जाने वाले कैदी कारावास के दौरान भी इन अधिकारों को बरकरार रखते हैं, जैसा कि आंध्र प्रदेश राज्य बनाम चल्ला रामकृष्ण रेड्डी मामले में स्थापित किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया है कि कैदी, चाहे दोषी हों, विचाराधीन कैदी हों या बंदी हों, जेल में रहने के दौरान जीवन के अधिकार सहित अपने मानवता और संवैधानिक अधिकारों को बनाए रखें। भारत में जेल प्रणाली को यह सुनिश्चित करने में कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है कि इन अधिकारों का उल्लंघन न हो। भीड़ भारत में जेलों में भीड़भाड़, विशेष रूप से विचाराधीन कैदियों के बीच, एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। 2021 के आंकड़ों से पता चलता है कि जेलों में बंद दोषियों की संख्या में 9.5 प्रतिशत की गिरावट आई है, लेकिन 2016 से 2021 तक विचाराधीन कैदियों की संख्या में 45.8 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई है। यह चिंता का कारण है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने राष्ट्रीय कानून दिवस के संबोधन के दौरान इस बात पर जोर दिया कि अधिक जेलों का निर्माण एक स्थायी समाधान नहीं है। भारत के मुख्य न्यायाधीश ने भी भीड़ कम करने के लिए एक बार कैदी की रिहाई का प्रस्ताव रखा और न्यायपालिका, सरकार और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों का आग्रह किया। अदालती बैकलॉग और स्थगन प्रथाओं को कम करना। जबकि फास्ट–ट्रैक अदालतों का लक्ष्य कार्यवाही में तेजी लाना है, आपराधिक न्याय प्रणाली की दक्षता बढ़ाने के लिए प्रचलित स्थगन संस्कृति को संबोधित करना महत्वपूर्ण है। विचाराधीन कैदियों के बीच भीड़भाड़ की समस्या के समाधान के लिए, एक अन्य समाधान अग्रिम जमानत का प्रावधान है। हालाँकि कई राज्य विचाराधीन कैदियों को अग्रिम जमानत नहीं दे सकते हैं, लेकिन तमिलनाडु एक अपवाद के रूप में खड़ा है, जो पर्याप्त कारणों के आधार पर इसे देता है। जेल स्टाफ की कमी एक और महत्वपूर्ण चुनौती जेल कर्मचारियों की कमी है। लगभग 91,181 की स्वीकृत कर्मचारी संख्या के बावजूद, वर्तमान संख्या लगभग 63,578 है। यह कमी प्रभावी प्रबंधन के कार्य को जटिल बनाती है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य और यह सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं की उपेक्षा होती है कि उन्हें मानवीय परिस्थितियों में रखा जाता है। 2022 के दौरान न्यायिक हिरासत में 1,995 कैदियों की मौत, जिनमें से 159 अप्राकृतिक कारणों से हुईं, जनशक्ति बढ़ाने की आवश्यकता पर प्रकाश डालती हैं। मुल्ला समिति की 1980 से चली आ रही सिफारिशें, जैसे सामुदायिक सेवा जैसी वैकल्पिक सजा लागू करना और राष्ट्रीय जेल नीति स्थापित करना, अधूरी हैं। बजट का उपयोग जेल अधिकारी भोजन, कपड़े, चिकित्सा व्यय, शिक्षा और कल्याण पर प्रति कैदी औसतन 10,474 रुपये सालाना खर्च करते हैं। 6,818 करोड़ रुपये के बजट के बावजूद, 2019–20 में जेल सेवाओं पर केवल 5,958 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जिससे चिकित्सा कर्मचारियों, विशेष रूप से मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की कमी हो गई। यह कम उपयोग सुधारों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। केरल, तमिलनाडु, ओडिशा और छत्तीसगढ़ ने कैदियों के कल्याण में तुलनात्मक रूप से अधिक निवेश दिखाया है। इस प्रतिबद्धता से कैदियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण मिला है, जिसके परिणामस्वरूप बाजार में बिकने वाली वस्तुओं का उत्पादन शुरू हुआ है। तमिलनाडु में कैदियों द्वारा बनाए गए सामानों की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की गई है। पैरोल और छुट्टी कैदियों के लिए छुट्टी का उद्देश्य पारिवारिक बंधनों को मजबूत करना और लंबी अवधि की कैद के नकारात्मक प्रभावों को कम करना है। 1894 के जेल अधिनियम में विशिष्ट प्रावधानों की अनुपस्थिति के बावजूद, अधिनियम की धारा 59 राज्यों को पैरोल और अच्छे व्यवहार के लिए पुरस्कार के नियम बनाने का अधिकार देती है। हालाँकि, अधीक्षक अक्सर जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं के लिए आपातकालीन छुट्टियाँ देने में विफल रहते हैं। कुछ अधीक्षक मानवीय आधार पर विचार करते हैं, लेकिन असाधारण स्थितियों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। मेहराज बनाम तमिलनाडु राज्य के मामले में आपात स्थिति और वैवाहिक अधिकारों के लिए छुट्टी देने के प्रावधान पर विचार–विमर्श किया गया। अदालत ने एक समिति के गठन का निर्देश दिया, जिसने 1982 के तमिलनाडु अधिनियम 14 की धारा 15 में संशोधन का प्रस्ताव रखा, जिसमें बंदियों की अस्थायी रिहाई की सिफारिश की गई। न्यायिक हस्तक्षेप के कारण कभी–कभी मानवीय विचारों के आधार पर, गैर–कार्य दिवसों पर भी आपातकालीन छुट्टियां दी जाती हैं। तकनीकी सुधार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्ट–अप भारतीय चेहरों पर परीक्षण करने के लिए चेहरे के बायोमेट्रिक्स का उपयोग करते हैं। आपराधिक न्याय विभागों के साथ इस बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली के एकीकरण का उद्देश्य दक्षता और समन्वय को बढ़ाना है। सुप्रीम कोर्ट एक एकीकृत आपराधिक न्याय प्रणाली की स्थापना कर रहा है जो वास्तविक समय सूचना विनिमय की सुविधा के लिए पुलिस, अदालतों और जेलों को एक मंच पर जोड़ेगी, जिसमें फास्टर (इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड्स का तेज और सुरक्षित ट्रांसमिशन), स्थानांतरण के लिए एक नई इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली शामिल है।

विश्व का एक अनूठा त्यौहार है मर्यादा महोत्सव

ललित

जीवन का पड़ाव चाहे संसार हो या संन्यास, सीमा, संयम एवं मर्यादा जरूरी है। मर्यादा जीवन का पर्याय है। धरती, अंबर, समन्दर, सूरज, चांद–सितारें, व्यक्ति, धर्म एवं समाज सब अपनी–अपनी सीमाओं में बंधे हैं। जब भी उनकी मर्यादा एवं सीमा टूटती है, प्रकृति प्रलय एवं समाज अराजकता में परिवर्तित हो जाता है। इसी मर्यादा की सीख देने वाले धर्म, धर्मगुरु एवं धर्म–संगठन जिस तरह मर्यादाहीन होते जा रहे हैं, वह एक गंभीर स्थिति है। जबकि किसी भी धर्मगुरु, संगठन, संस्था या संघ की मजबूती का प्रमुख आधार है–मर्यादा। यह उसकी दीर्घजीविता एवं विश्वसनीयता का मूल रहस्य है। विश्व क्षितिज पर अनेक धर्म संघ, संप्रदाय, संस्थान उदय में आते हैं और काल की परतों तले दब जाते हैं। वही संगठन अपनी तेजस्विता निखार पाते हैं, जिनमें कुछ प्राणवत्ता हो, समाज के लिए कुछ कर पाने की क्षमता हो। बिना मर्यादा, संयम और अनुशासन के प्राणवत्ता टिक नहीं पाती, क्षमताएं चुक जाती हैं। मर्यादा धर्म संगठनों का त्राण है, प्राण है, जीवन रस है। अंधियारी निशा में उज्ज्वल दीपशिखा है। समंदर के अथाह प्रवाह में बहते जहाज के लिए रोशनी की मीनार है। तेरापंथ धर्मसंघ एक प्राणवान संगठन है और उसमें मर्यादाओं का सर्वाधिक महत्व है। इसके आद्य प्रवर्तक आचार्य भिक्षु ने तत्कालीन समाज की दुर्दशा एवं अनुशासनहीनता को देखते हुए मर्यादाओं का निर्माण किया। न केवल साधुओं के लिये बल्कि श्रावकों–श्रद्धालुओं के लिये भी नियम बनायें। सम्यक् श्रद्धा और आचार शुद्धि को मद्देनजर रखते हुए उन्होंने मर्यादा की लक्ष्मण रेखा बनाई। आचारनिष्ठा, विचार शुद्धि, संगठन की सुघड़ता एवं सुव्यवस्था ही उनका प्रमुख ध्येय था। धर्म–संगठन की सुदृढ़ता व चिरजीविता का रहस्य है इसकी मर्यादाएं। मर्यादाओं की सुदृढ़ प्राचीर में संघ की इमारत अपनी सुरक्षा व खूबसूरती को कायम रखे हुए है। तेरापंथ की मर्यादाओं के सन्दर्भ में कहा जाता है कि वह बिखराव को समेटती है, उच्छृंखलता को अंकुश देती है, समय का प्रबन्धन करती है, शक्तियों का सही दिशा में नियोजन करती है, जीवन को आत्मानुशासन से संवारती है। तेरापंथ धर्मसंघ की एकता, संगठन, अनुशासन और मर्यादा का प्रतीक है–मर्यादा महोत्सव। पर्वों, उत्सवों एवं त्यौहारों की दुनिया में यह एक निराला त्यौहार है। विश्व भर में अनेक उत्सव, पर्व या कार्यक्रम मनाए जाते हैं। जन्म दिवस और निर्वाण दिवस के आयोजन होते हैं। पर मर्यादा महोत्सव मनाने की परंपरा तेरापंथ की अपनी मौलिकता है, विशेषता है। संघ की वैधानिक, संगठनात्मक और सांस्कृतिक प्रवृत्तियों का केंद्र है–मर्यादा महोत्सव। साधु–साध्वियों एवं समण–समणियों की सारणा–वारणा, सार–संभाल का समय है–यह महोत्सव। चातुर्मास की नियुक्ति व पूर्व वर्ष के सिंहावलोकन का काल है–इस उत्सव का समय। मर्यादा की धाराओं की पुर्नउच्चारण व पुनार्भिव्यक्ति का माध्यम है–मर्यादा महोत्सव। मर्यादा–महोत्सव दुनिया का अनूठा उत्सव है। तेरापंथ की गतिविधियों का नाभि केंद्र है। मर्यादा महोत्सव का केन्द्रीय विराट आयोजन संघ के अधिशास्ता की पावन सन्निधि में समायोजित होता है। इस वर्ष आचार्य श्री महाश्रमण के सान्निध्य में 160वां मर्यादा महोत्सव वाशी (महाराष्ट्र) में 14–16 फरवरी, 2024 आयोजित हो रहा है, इसकी पृष्ठभूमि चातुर्मास की समाप्ति के साथ ही शुरू हो जाती है। प्रस्तुत वर्ष का मर्यादा महोत्सव कहां मनाना है यह घोषणा आचार्य प्रवर द्वारा काफी समय पहले ही हो जाती है। देश–विदेश में विहार और धर्म प्रचार करने वाले सैंकड़ों साधु–साध्वियां और समण –समणियां महोत्सव स्थल पर गुरु सन्निधि में पदयात्रा करते हुए पहुंच जाते हैं। गुरु दर्शन करते ही अग्रगण्य साधु–साध्वियां स्वयं के पद को और स्वयं को विलीन कर विराटता का अनुभव करते हैं। मर्यादा महोत्सव तेरापंथ का महाकुंभ मेला है। इसका आयोजन तीन दिवसीय होता है और इस अवधि में शिक्षण –प्रशिक्षण, प्रेरणा–प्रोत्साहन, अतीत की उपलब्धियों का विहंगावलोकन, भावी कार्यक्रमों का निर्धारण आदि अनेक रचनात्मक प्रवृत्तियां चलती हैं। सब साधु–साध्वियां अपने वार्षिक कार्यक्रमों और उपलब्धियों का लिखित और मौखिक विवरण प्रतिवेदित करते हैं। श्रेष्ठ कार्यों के लिए गुरु द्वारा विशेष प्रोत्साहन मिलता है। कहीं किसी का प्रमाद, मर्यादा के अतिक्रमण का प्रसंग उपस्थित होता है तो उसका उचित प्रतिकार होता है। संघ की यह स्पष्ट नीति है कि किसी की कोई गलती हो जाए तो उसको न छुपाओ, न फैलाओ, किन्तु उसका सम्यक् परिमार्जन करो, प्रतिकार करो। प्रकृति का कण–कण हमें मर्यादा की बात सिखा रहा है। अपेक्षा है, मानव अनुशासन और मर्यादा को अपनाकर जीवन को संवारे। मर्यादा–महोत्सव का यह पावन अवसर सबको यही संदेश देता है कि मर्यादा से ही समस्याओं का निपटारा संभव है। पथभ्रान्त पथिक को मर्यादा ही सच्चा पथदर्शन बनेगी। युग की उफनती समस्याओं की नदी मर्यादा की मजबूत नाव से ही पार की जा सकेगी। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की इस भूमि पर मर्यादा को स्थापित करने और उसे गौरवान्वित करने की इस विलक्षण एवं अनूठी घटना से हम सभी प्रेरित हो, विनाश का ग्रास बनती इस ऊर्वरा भारत–भू को विकास के शिखर पर चढ़ाएं। आचार्य श्री तुलसी एवं आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने अपनी प्रखर आध्यात्मिक प्रतिभा से समूचे राष्ट्र को प्रेरित किया है और उन्हीं की ऊर्जा से तेरापंथ धर्मसंघ का मर्यादा महोत्सव जन–जन की आस्था का केन्द्र भी बना है, एक प्रेरणा बना है। यह महोत्सव मात्र मेला ही नहीं है, सैकड़ों प्रबुद्ध साधु–साध्वियों का मिलन संघीय इतिहास में श्री स्वस्ति का उद्घोषक बनता है। वह मात्र आयोजनात्मक ही नहीं, वह संघ के फलक पर सृजनशीलता के नये अभिलेख अंकित करता है।

नैतिक आत्म-मूल्य की हानि से चिह्नित

रवि

यह मृत्यु नागरिक अदृश्यता और नैतिक आत्म–मूल्य की हानि से चिह्नित है। जायोनीवाद का उदय जीवन के जैव–राजनीतिक विनियमन से मृत्यु की नेक्रोपोलिटिक्स में बदलाव का संकेत दे रहा हैय न केवल भौतिक शरीरों की बल्कि भ्रमों और आकांक्षाओं की भी मृत्यु। यह मृत्यु नागरिक अदृश्यता और नैतिक आत्म–मूल्य की हानि से चिह्नित है। फिलिस्तीन में जो घटनाक्रम परेशान कर रहा है वह यह याद दिलाता है कि 20वीं सदी के सबसे बुरे पीड़ित 21वीं सदी के सबसे बुरे हमलावर बन गए हैं। यह, समान रूप से, एक गंभीर अनुस्मारक है कि पीड़ा आवश्यक रूप से नैतिक करुणा नहीं लाती है। मनुष्य विरोध करते हैं, न्याय के आदर्श के इर्दगिर्द एकजुट होने के लिए नहीं, बल्कि, जैसा कि फौकॉल्ट ने तर्क दिया, खुद को सत्ता बहाल करने के लिए। जैसा कि सांस्कृतिक समाजशास्त्री जिग्मंट बाउमन ने कहा, आप्रवासियों के प्रति घृणा इस बात से आती है कि एक दिन हममें से बाकियों के अपना जीवन जीने की गंभीर संभावना है। जैसा कि नीत्शे ने दावा किया था, हम अपने आंतरिक वातावरण के गहरे अंतराल में अपने लिए रोते हैं, तब भी जब हम कमजोरों के लिए शोक मनाते हैं। लोकतांत्रिक वापसी की वैश्विक घटना और अप्राप्य सत्तावादी शासन का उदय इस तरह के भय और चिंता के आसपास नए सामाजिक मानदंडों का मसौदा तैयार कर रहा है। फिलिस्तीन इस प्रकार न केवल इस बात से चिंतित है कि अरब मुसलमान क्या सहन कर रहे हैंय लेकिन वैश्विक शक्तियों द्वारा इजराइल के विस्तारवाद को उचित ठहराना नेक्रोपॉलिटिक्स और सहनशक्ति को संस्थागत बनाने का भी प्रतीक है। यह बदलाव – चीजों को देखने के लिए कि हम कितना सहन कर सकते हैं – लोकतंत्र, संप्रभुता, वैधता और हिंसा के पारंपरिक आदर्शों को सामूहिक रूप से तैयार करने के तरीके में भारी बदलाव ला सकता है। जायोनीवाद एकाग्रता शिविरों में यहूदियों ने जो कुछ सहा, उसकी अवचेतन अभिव्यक्ति हो सकती है, ठीक उसी तरह जैसे फिलिस्तीन में राजनीतिक गतिशीलता मृत्यु को देखते हुए पीड़ा सहने और अर्थ खोजने के स्वीकार्य तरीकों का प्रतिनिधित्व करती है। कोई विक्टर फ्रैंकल की श्मैन्स सर्च फॉर मीनिंगश पढ़ सकता है, आशा के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में कम और इस बात पर अधिक कि कैसे वैश्विक अधिनायकवादी शासन इस उम्मीद में सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं कि मनुष्य उदारवाद और मार्क्सवाद के राजनीतिक रूप से व्यवहार्य होने के मुकाबले कहीं अधिक पीड़ा सहन कर सकते हैं। और नैतिक रूप से स्वीकार्य. अधिनायकवाद अब स्वतंत्रता और प्रतिरोध से परे संदर्भ की शर्तों को बदलने में निहित है। जीवन से एक अलग तरह का अर्थ जुड़ा हुआ है जो न्याय और क्रांति के आदर्शों से परे संभव है। प्रलय एक घटना हो सकती है, यहां तक कि एक विपथन भी, लेकिन इसकी प्रतिक्रिया से मिले सबक शासन के प्रतिमान से कहीं आगे जाते हैं। सामाजिक जीवन उतना ही मिटाकर बनता है जितना कि स्मृति सेरू फ्रैंकल ऑशविट्ज में प्रवेश करने पर अपनी पहली मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया को याद करते हैं – ष्मैंने अपना पूरा पूर्व जीवन नष्ट कर दिया। भूलना कई मायनों में महत्वपूर्ण था, यहां तक कि यहूदी कपोस के लिए भी जिन्होंने एसएस सैनिकों की सहायता की थी, यह अच्छी तरह से जानते हुए कि उन्हें जल्लाद की अपनी लागू भूमिका छोड़नी होगी और खुद पीड़ित बनना होगा। ऑशविट्ज में भूलने का अर्थ षदिमाग को उसके परिवेश से अलग करना और दिनचर्या के सांसारिक विवरणों के साथ जीना भी है। फ्रेंकल कहते हैं, ख्टी, ऑशविट्ज के कैदी को, सदमे के पहले चरण में, मौत का डर नहीं था। यहां तक कि पहले कुछ दिनों के बाद गैस चौंबरों ने भी उसके लिए अपनी भयावहता खो दी – आखिरकार, उन्होंने उसे आत्महत्या करने से बचा लिया। मृत्यु का सामान्यीकरण लगभग पूर्ण हो सकता है। फ्रेंकल ने कहा– कुछ हफ्तों के शिविर जीवन के बाद पीड़ित, मरने वाले और मृत, उसके लिए इतने आम दृश्य बन गए कि वे अब उसे हिला नहीं सकते थे। उभरती नेक्रोपोलिटिक्स इस बात की याद दिलाती है कि कैसे, ऑशविट्ज में, फटे हुए और क्षीण शरीरों ने ष्एक ऐसे प्राणी को प्रस्तुत किया जिसके साथ आपकी इतनी कम समानता है कि आप उसे दंडित भी नहीं करते हैं। यह एक अजीब जगह है जहां भाईचारा षड्यंत्रकारी हो जाता है और उदासीनता कलंक का कारण बनती है। फ्रेंकल बताते हैं कि कैसे कैंप जीवन के अल्प सुखों ने एक प्रकार की नकारात्मक खुशी प्रदान की – पीड़ा से मुक्ति... आज, स्वतंत्रता, गरिमा और भाईचारे के बजाय पीड़ा से बचना जीवन को मापने का नया तरीका हो सकता है। इस प्रकार पीड़ा से मुक्ति आधुनिकता के महान आदर्शों के व्यापक संकेत की तुलना में अधिक आकर्षक हो सकती है।

जब राज्य समृद्ध होते, तो संघ भी समृद्ध

आदित्य

वर्ष 2024 भारत के लिए महत्वपूर्ण है – देश आम चुनाव की ओर अग्रसर है। नई सरकार के कार्यकाल 2024–29 के दौरान, भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी सीमा को पार कर जाएगा और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। दरअसल, भारत 7 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के करीब पहुंच जाएगा। यह वर्ष, जो 2000 और 2047 के बीच लगभग आधा है, भविष्य के प्रक्षेप पथ के बारे में जायजा लेने के लिए एक सुविधाजनक बिंदु है। जब तक नई सरकार का कार्यकाल समाप्त होगा, तब तक दुनिया सतत विकास लक्ष्यों या एसडीजी की समय सीमा के करीब पहुंच जाएगी। अधिकांश देश उन लक्ष्यों से फिसल गए हैं, हालाँकि भारत दूसरों की तुलना में कम फिसला है। विकास का संबंध सामाजिक क्षेत्र के संकेतकों में सुधार से है। मध्यम अवधि में, भारत किस विकास पथ पर है? ए) 5.5–6 प्रतिशतय बी) 6.5–7 प्रतिशतय या सी) 7.5–8 प्रतिशत. ए, बी और सी के बीच अंतर तेजी से बढ़ता है। किसी भी प्रक्षेपण के लिए मान्यताओं के एक सेट की आवश्यकता होती है – वास्तविक विकास दर, मुद्रास्फीति, जनसंख्या वृद्धि की दर, कुल कारक उत्पादकता में वृद्धि और रुपया–डॉलर विनिमय दर। उदाहरण के लिए, कोविड से पहले, 2018–19 के आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया था, ”भारतीय रिजर्व बैंक के लिए सरकार द्वारा निर्दिष्ट मौद्रिक नीति ढांचे के रूप में 4 प्रतिशत मुद्रास्फीति को देखते हुए, इसके लिए 8 प्रतिशत की वास्तविक वार्षिक जीडीपी वृद्धि की आवश्यकता है। एसबीआई रिसर्च की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है, ”2014 के बाद से अपनाए गए रास्ते से पता चलता है कि भारत को 2027 (या 2027–28) में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का टैग मिलने की संभावना है३। इस दर पर, भारत में हर 2 साल में 0.75 ट्रिलियन डॉलर जुड़ने की संभावना है, जिसका अर्थ है कि भारत 2047 तक 20 ट्रिलियन डॉलर को छूने के लिए तैयार है, कम से कम मौजूदा आंकड़ों पर। इस उछाल के पीछे, भारत को 2027 तक (डॉलर के संदर्भ में) 8.4 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ने की जरूरत है। इसका मतलब प्रति वर्ष 11.0–11.5 प्रतिशत नाममात्र जीडीपी वृद्धि (रुपये के संदर्भ में) है, जो 6.5–7 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ प्राप्त करने योग्य है। यह सीधे तौर पर 2047 में प्रति व्यक्ति आय नहीं बताता है। लेकिन 2047 में 1.7 अरब की अनुमानित आबादी के साथ, कोई यह अनुमान लगा सकता है कि प्रति व्यक्ति आय 12,000 डॉलर से कम होगी। इसके विपरीत, मार्च 2023 में अर्न्स्ट एंड यंग द्वारा किया गया एक अध्ययन है, जिसमें कहा गया हैरू ”सबसे पसंदीदा परिदृश्य में, भारत 2027–28 में बाजार विनिमय दर के मामले में +5, +10 और +20 ट्रिलियन की महत्वपूर्ण सीमा को पार करने की संभावना है। , क्रमशः 2035–36 और 2044–45... बाजार विनिमय दर के संदर्भ में भारत की प्रति व्यक्ति आय 2044–45 तक 13,000 डॉलर को पार करने की उम्मीद है, जो इसे विकसित अर्थव्यवस्थाओं की श्रेणी में ला देगी. .. सबसे पसंदीदा परिदृश्य के अनुसार, भारत की वास्तविक जीडीपी 6–6.4 प्रतिशत तक बढ़ने

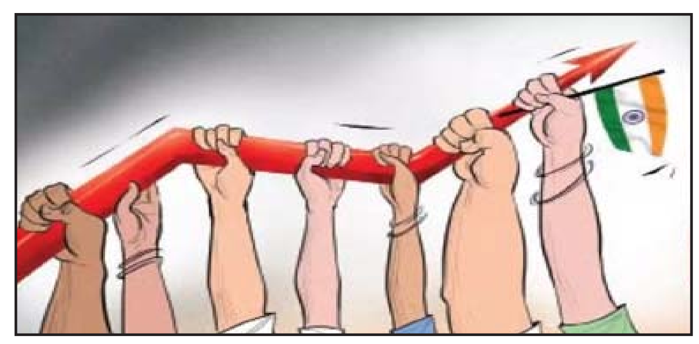

का अनुमान है 2022–23 से 2047–48 की अवधि में, हालांकि मध्यम दशकीय वृद्धि प्रोफाइल के साथ... + ट्रिलियन के संदर्भ में अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद पूर्वानुमानित अवधि (2022–23 से 2047–) के दौरान लगभग 8.4 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर्शाता है। 48)। ऐसे अनुमानों के बारे में सोचते समय, एक स्पष्ट बात को ध्यान में रखना जरूरी है। ये टर्मिनल लक्ष्य वर्तमान अमेरिकी डॉलर में हैं, स्थिर अमेरिकी डॉलर में नहीं। स्थिर अमेरिकी डॉलर में, एक लक्ष्य असंभव लग सकता है। वर्तमान अमेरिकी डॉलर में, यह प्राप्त करने योग्य है। सिद्धांत रूप में, अनुमानों में अंतर मुद्रास्फीति दर के बारे में अलग–अलग धारणाओं से उत्पन्न हो सकता है, जो कि असंभव है क्योंकि आरबीआई के पास 4–6 प्रतिशत का सहिष्णुता बैंड है।

देखते रहें – ध्यान आकर्षित करना

ललित

एक ऐप लॉन्च करें. या यूट्यूब पर वह गाना ढूंढें जिसके बारे में आप पुरानी यादों में थे। दोनों ही मामलों में, साइट यह सुनिश्चित करती है कि हम उस पर बने रहें। प्रत्येक साइट आपको देर तक रुकने के लिए प्रेरित करती है, अगले लिंक का अनुसरण करें। जो दांव पर लगा है, वह आवश्यक रूप से कोई उत्पाद या सेवा नहीं हैरू साइट और कंपनी जो इसका मालिक है, आपका ध्यान आकर्षित कर रही है। बने रहेंरू आपकी रुचि के लिए कुछ है। ध्यान की अर्थव्यवस्थाएँ अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार विजेता, हर्बर्ट साइमन ने तर्क दियारू सूचना–समृद्ध दुनिया में, सूचना की प्रचुरता का मतलब किसी और चीज की कमी हैरू जो कुछ भी जानकारी उपभोग करती है उसकी कमी। यह स्पष्ट है कि सूचना किस चीज का उपभोग करती हैरू यह अपने प्राप्तकर्ताओं का ध्यान आकर्षित करती है। साइमन ने भविष्यवाणी की थी कि जैसे–जैसे सूचना की मात्रा तेजी से बढ़ती है, मानव संज्ञान के लिए किसी विशेष सूचना–बाइट पर बने रहना मुश्किल हो जाता है। यह स्थिति ध्यान को ही एक दुर्लभ वस्तु बना देती है। इसलिए कंपनियां, विज्ञापनदाता और सांस्कृतिक मध्यस्थ उपभोक्ता का ध्यान आकर्षित करने की होड़ में लग जाते हैंरू उपभोक्ता को कैसे ऑनलाइन रहने के लिए प्रेरित किया जाए और वे जो कुछ भी बेचना चाहते हैं उस पर पूरा ध्यान दें? जब सबसे दुर्लभ वस्तुओं में से एक पर ध्यान दिया जाता है, तो रणनीतियों और प्रक्रियाओं को उनके विज्ञापनों और उत्पादों पर खर्च किए गए समय (जो ध्यान देने के कार्य के लिए केंद्रीय है) का लाभ उठाने के लिए निर्देशित किया जाता है। प्रभावशाली व्यक्ति और विज्ञापनदाता ध्यान को अपनी बिक्री पिच के मूल के रूप में देखते हैं। (इसमें वे शिक्षकों से बहुत अलग नहीं हैं – जिनका मुख्य काम कक्षा को छात्रों से भरा रखना है, कुछ को उदासीन, कुछ को नींद में, वे जो कह रहे हैं उस पर ध्यान देना।) ध्यान अर्थव्यवस्था के महत्व की स्वीकार्यता ने इस क्षेत्र में सक्रिय अनुसंधान को बढ़ावा दिया है। 2015 में, हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू ने चार अलग–अलग प्रकार के वीडियो विज्ञापनों की जांच की। उन्होंने पाया कि सिनेमा ने पूरा ध्यान आकर्षित किया क्योंकि दर्शक बंधक थे और इसलिए श्विज्ञापनदाता यह मान सकते हैं कि उनके दर्शक विज्ञापन के अंत तक पूरा ध्यान देंगे। टेलीविजन के मामले में, जहां लोगों के पास अधिक विकल्प थे (चौनल बदलें, चले जाएं) ध्यान आंशिक था, और अधिकतर विज्ञापन स्क्रीन पर था। विज्ञापनदाता को ध्यान सुनिश्चित करने के लिए मनोरंजन और सूचना को संतुलित करना होगा। मल्टीटास्किंग दर्शकों (इस मामले के अध्ययन में शाम के समय का टेलीविजन) के मामले में, विज्ञापन को उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है क्योंकि वे लगातार टीवी स्क्रीन (जो उनकी दूसरी स्क्रीन है, पहली उनका मोबाइल है) को भी नहीं देख रहे हैं। . अंततः, जब कोई ध्यान नहीं है, तो विज्ञापन को सबसे पहले ध्यान आकर्षित करना होगा। ध्यान दें इकोनॉमी इंजीनियरिंग टीवी कार्यक्रम, स्थापित विचारों के विपरीत, डिवाइस का मुख्य उद्देश्य नहीं हैं। यह कार्यक्रम लोगों का ध्यान खींचने, उन्हें बनाए रखने और फिर विज्ञापनों में उत्पाद बेचने का एक बहाना है। अर्थात्, प्रोग्राम व्यावसायिक जानकारी एम्बेड करने का एक संदर्भ मात्र है। इसका उद्देश्य न्यूनतम संभव खर्च पर ध्यान आकर्षित करना है। मार्च 2023 के संयुक्त राष्ट्र अर्थशास्त्री नेटवर्क दस्तावेज के अनुसार, दर्शकों का ध्यान नियंत्रित करने की हताशा आग लगाने वाली सामग्री को बढ़ावा देती है। श्सतत विकास के लिए नई अर्थव्यवस्थाएँरू ध्यान दें अर्थव्यवस्थाश शीर्षक वाले दस्तावेज में कहा गया हैरू लाभ को अधिकतम करने के लिए, एल्गोरिदम को सामग्री की वायरलिटी को अधिकतम करके जुड़ाव बढ़ाने के लिए प्रोग्राम किया जाता है, जो अक्सर इंटरैक्शन को बढ़ाने के लिए अत्यधिक ष्आग लगाने वाली, विवादास्पद या ध्रुवीकरण करने वाली सामग्री को बढ़ावा देता है। इससे अक्सर गलत या गलत जानकारी पर आधारित अस्वास्थ्यकर सामग्री का जोखिम बढ़ जाता है, जिससे सचेत निर्णय लेने में काफी कमी आती है और व्यसन, असंवेदनशीलता और कट्टरता पैदा होने का जोखिम होता है। यह वर्तमान संदर्भ की ओर ध्यान आकर्षित करता है जहां श्लोग गलत तरीके से मानते हैं कि खोज इंजन का उपयोग करते समय उन्हें वस्तुनिष्ठ डेटा मिल रहा है, जबकि वास्तव में एल्गोरिदम को उपयोगकर्ता के बारे में जानकारी के आधार पर उपयोगकर्ता द्वारा देखी जाने वाली जानकारी का चयन करने के लिए फिल्टर बुलबुले बनाने के लिए लागू किया गया है, जैसे स्थान, पिछले क्लिक– व्यवहार और खोज इतिहास के रूप में। यह पूछता हैरू क्या श्व्यावसायिक लाभ के लिए उपयोगकर्ता के व्यवहार को प्रभावित करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना उचित हैश? प्रत्येक खोज क्वेरी, प्रत्येक क्लिक, प्रकट किया गया प्रत्येक डेटा व्यापारियों का ध्यान आकर्षित करने का एक स्रोत है, जैसा कि उन्हें कहा जाता है, अपने स्वयं के उद्देश्यों के लिए उपभोक्ता व्यवहार की गणना करने के लिएरू वे जानते हैं कि आप किस पर ध्यान देते हैं, वे जानते हैं कि आप किस साइट/उत्पाद पर ध्यान देते हैं। छूट या ऑफर, या श्कीमतों से पहले कभी नहीं जैसे बैनर आसान नारे हैं जो तुरंत ध्यान खींचते हैं। ध्यान दें अर्थव्यवस्था में घाटा व्यावसायिक लाभ के सवाल पर, हमें राजनीतिक लाभ भी जोड़ने की जरूरत है, यह देखते हुए कि ट्रोलिंग, नफरत फैलाने वाले भाषण और एकतरफा सूचना फैलाव के माध्यम से चुनावी हेरफेर अब एक स्थापित रणनीति है। इस प्रकार, लक्षित विज्ञापन, क्लिक व्यवहार में हेरफेर और पूरी तरह से भड़काऊ सामग्री ध्यान खींचने और बनाए रखने के तरीके हैं। राजनीतिक माइक्रो मार्केटिंग, पहली बार बराक ओबामा के राष्ट्रपति अभियान के दौरान शुरू हुई, जिसमें दार्शनिक विंसेंट एफ हेंड्रिक्स और मैड्स वेस्टरगार्ड ने अपनी पुस्तक रियलिटी लॉस्ट मार्केट्स ऑफ अटेंशन, मिसइनफॉर्मेशन एंड मैनिपुलेशन (2019) में लिखा है श्एक अरब से अधिक लक्षित ई–मेल भेजे गए थे, विशेष रूप से आपके लिए लोगों और अल्पसंख्यकों के सदस्यों को पहली बार वोट देने और ओबामा को वोट देने के लिए प्रेरित करने के लिए। हम उपरोक्त रणनीति को अब एक सामान्य बात के रूप में पहचानते हैं। संभावित मतदाताओं को बार–बार भड़काऊ संदेश भेजे जाते हैं। बयानबाजी स्पष्ट और सीधी है. इसमें कोई विराम या चिंतन की आवश्यकता नहीं है क्योंकि प्रवचन में मार्कर मेरी संस्कृति, मेरा धर्म या मेरी पहचान के बारे में सांस्कृतिक चिंता को उजागर करते हैं।

वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा मन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मां शारदा इंटरमीडिएट बालिका विद्यालय खानापट्टी का वार्षिक उत्सव समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों को धूम रही। विद्यालय की छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगो का मन मोह लिया। विद्यालय की मेधावी छात्रा अपर्णा शुक्ला को तिलकधारी सिंह सर्वोत्कृष्ट सम्मान से सम्मानित किया गया। होमियोपैथी के प्रख्यात चिकित्सक डा. दुष्यंत सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, राजस्थानी झूमर पर सामूहिक नृत्य, पंजांबी, गुजराती व लोकगीत गीत के साथ एकांकी नाटक प्रस्तुत कर समां बांध दिया। छात्राओं की प्रस्तुति देखकर अभिभावक भी तालिया बजाकर उनका हौसला बढ़ाते रहे। विद्यालय के प्रबंधक जगदीश नारायण सिंह, डा. दुष्यंत सिंह, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह व प्रधानाचार्य शरद सिंह के साथ विद्यालय के शिक्षकों ने विज्ञान प्रदर्शनी में विजेता छात्राओं व तेरह छात्राओं को आदर्श बालिका सम्मान हेतु प्रमाण पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया। तिलकधारी सिंह सर्वोत्कृष्ट बालिका सम्मान से सम्मानित होने के बाद छात्रा अपर्णा शुक्ला ने इसका श्रेय अपनी माता पिता के साथ दादा व शिक्षकों को दिया। कार्यक्रम में श्रवण यादव, सुशील सिंह, दिलीप सिंह, कविता सिंह, राजकुमार जायसवाल, अजय गुप्ता, प्रवीण सिंह, अर्चना सिंह, दामिनी सिंह, मोहम्मद असलम, बृजेश यादव, जितेंद्र सिंह, यशवंत यादव, राहुल यादव, कार्तिकेय प्रजापति, अतुल गौड़, अंजनी उपाध्याय, सौरभ सिंह आदि का सक्रिय योगदान रहा। अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षक रामचंद्र सिंह, संचालन महिमा कन्नौजिया व अंशिका उपाध्याय ने किया। आभार अमित सिंह ने ज्ञापित किया।

शोध की गुणवत्ता को बढ़ाता है मेटा एनालिसिस – डा. जय कुमार रंजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के संकाय भवन में चल रहे कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के तहत शुक्रवार को मुख्य वक्ता के रूप में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के डॉ. जय कुमार रंजन ने मेटा एनालिसिस की उपयोगिता एवं वैज्ञानिक समीक्षा पर व्याख्यान दिया। उन्होंने वर्तमान समय में शोध के एक उभरते आयाम मेटा एनालिसिस एवं उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मेटा एनालिसिस एक प्रमुख शोध प्रक्रिया है जो विभाजन और संग्रहीत डेटा को विश्लेषित करती है। यह अन्य शोधों के नतीजों को समीक्षित करने और उनकी समारोहित जानकारी को पुनः विश्लेषित करने का एक विशेष तरीका है। मेटा एनालिसिस का उद्देश्य शोध की गुणवत्ता और प्रभाव को मापना, उन्हें समीक्षित करना और सामान्यतः स्थापित करना होता है। इस प्रक्रिया के माध्यम से, विश्वसनीयता, सामर्थ्य और परिणामों की अवधारणा में सुधार किया जा सकता है। साथ ही यह भी कहा कि अगर शोधकर्ता प्रिज्म मॉडल का ध्यान रखें तो मेटा एनालिसिस बहुत ही उन्नत और परिष्कृत हो सकता है। साथ ही ऐसे वस्तुनिष्ठ शोध में किस प्रकार के अवयवों को सम्मिलित नहीं करना है का भी ध्यान रखना उतना ही आवश्यक होता है। इस प्रकार की एनालिसिस में किस प्रकार से आर सॉफ्टवेयर जैसे टूल्स मदद कर सकते है उसके एक–एक चरण को विस्तारपूर्वक समझाया। इसके पूर्व मुख्य वक्ता के रूप में प्रथम सत्र को बीएचयू से आये प्रो. ज्ञान प्रकाश सिंह ने डेटा एनालिसिस में एमएस एक्सेल उपयोगिता पर संबोधित किया । इसके बाद कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में अहमदाबाद विश्वविद्यालय अहमदाबाद से आई विषय विशेषज्ञ प्रोफेसर उर्मी नंदा विश्वास ने प्रतिभागियों को सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शोध पत्र व थीसिस लेखन पर विस्तारपूर्वक समझाया। उन्होंने अच्छे शोध लेखन गुणों से अवगत कराते हुए उसके विभिन्न चरणों में होने वाली गलतियां के बारे में छात्रों को अवगत कराया। प्रो. विश्वास ने कहा कि आज वर्तमान परिवेश में एक अच्छे शोधार्थी को मौलिकता, विनम्रता जैसे गुणों को आत्मसात करने की भी महती आवश्यकता है। इस अवसर पर डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. साधना मौर्या, डॉ. आकांक्षा श्रीवास्तव, डॉ. अंकिता श्रीवास्तव, डॉ. निशा पांडेय, श्रुति श्रीवास्तव, कश्मा सिंह, , रेनु मल चौहान, डॉ. दया सिंधु, डॉ. विवेक मिश्रा, डॉ. कपिलदेव, अनुपम, दीपक कुमार यादव, एजाज अहमद, डॉ. वीरेंद्र कुमार साहू, डॉ. दीपक कुमार दास, बब्बन कुमार, एसी सिंह, चंद्रभुज कश्यप, यदुभान कुमार आदि उपस्थित रहे।

विद्यालय के आस-पास लगा कचरों का अम्बार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सरकार के द्वारा चलाया जा रहा स्वच्छता अभियान को नगर पंचायत कजगांव मुंह चिढ़ा रहा है बता दें कि उक्त नगर पंचायत कार्यालय के ठीक बगल में स्थिति प्राथमिक विद्यालय के अगल–बगल कचरों का अम्बार लगा हुआ है जिसके चलते आस–पास पुरी तरह से नरकीय बना हुआ है जहां एक तरफ उक्त नगर पंचायत में सफाई करने के लिए दर्जनों से अधिक सफाई कर्मचारीयों की नियुक्ति कि गयी है वहीं दूसरी तरफ सफाई कर्मी के द्वारा साफ–सफाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति कि जा रही है ऐसी स्थिति में देखा जाये तो सरकार के द्वारा चलाया जा रहा स्वछता अभियान उक्त नगर पंचायत में पुरी तरह से यहां विफल देखने को मिल रहा है देश के भविष्य कहे जाने वाले नौनिहाल जब विद्यालय पढ़ने आते हैं तो अगल–बगल लगी गन्दगी से विद्यालय के बच्चे भी परेशान रहते हैं सफाई न होने के कारण लोग मच्छरों के प्रकोप से परेशान हैं तथा लोग डेंगू,मलेरिया आदि तमाम घातक बीमारियां होने का डर बना रहता है प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत प्रधानाध्यापक ने बताया कि इस प्रकार की समस्या के बारे में नगर पंचायत के अधिकारी व कर्मचारियों को अवगत कराने के बावजूद भी साफ–सफाई नहीं कराया जा रहा है इस प्रकार के समस्या से प्रति नगर पंचायत अध्यक्ष सहित विभागीय अधिकारी व कर्मचारी पुरी तरह से कुम्भकर्णी निन्द्रा में लीन नजर आ रहे हैं।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ जौनपुर के जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक नगर पालिका इंटर कालेज में संपन्न

जौनपुर ब्यूरो

जौनपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ जौनपुर के जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह के अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक नगर पालिका इंटर कॉलेज में संपन्न हुआ जिसमें प्रांतीय अध्यक्ष चेतनारायण सिंह तथा पूर्व अध्यक्ष सुधाकर सिंह ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को उनके पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

उपाध्यक्ष के रूप में राम प्रकाश सिंह ,संतोष कुमार सिंह संदीप सिंह, धर्मेंद्र शुक्ला ,अवधेश सिंह,प्रशांत पांडे ,रणंजय सिंह,नीता सिंह, संयुक्त मंत्री के रूप में ,अखिलेश सिंह , सुनील कुमार, वीरेंद्र भारती रेणु कुमारी,अखिलेश चंद्र, बिपिन वर्मा,दीपक सिंह,आलोक सिंह रहे। सुधीर राय को आईटी सेल का प्रभारी तथा दयाशंकर सिंह को सह प्रभारी बनाए गए। कार्यकारिणी के सदस्यों में अजय कुमार सिंह,नवीन सिंह, चंद्र प्रकाश दुबे, अखिलेश प्रताप सिंह, कृष्ण मोहन यादव, इंद्रसेन सिंह, संदेश कुमार सिंह, राज नारायण सरोज ,गुंजन श्रीवास्तव ,जियालाल बिंद, इंद्रजीत सिंह ,रविकांत, अरविंद सिंह, माहेश्वरी मिश्रा ,मनोज कुमार प्रजापति ,संजय चौबे ,यतेंद्र कुमार यादव ,मोतीलाल यादव, अनूप कुमार सिंह, रविंद्र नाथ सिंह राजमणि यादव ने बनाया। इस अवसर पर नरसिंह बहादुर सिंह अजय प्रकाश सिंह पूर्व अध्यक्ष सुधाकर सिंह ने नई कार्यकारिणी को अपनी शुभकामनाएं दी इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉक्टर अनिल सिंह तथा बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।जिलाध्यक्ष प्रमोद सिंह ने संगठन को प्रत्येक इकाई तक मजबूती से काम करने का संकल्प लिया जिससे आने वाले विधान परिषद चुनाव में संगठन पुनः वाराणसी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का सदन में प्रतिनिधित्व कर सके।

विभिन्न दलों के 296 लोगो ने बीजेपी की सदस्यता किया ग्रहण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी सदर विधानसभा द्वारा आयोजित विधानसभा मिलन समारोह के कार्यक्रम में विभिन्न दलों से आए जैसे समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी व अन्यदल, समाजिक कार्यकर्ता व निर्दल सभासदो के साथ साथ लगभग 296 लोगो को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराकर भारतीय जनता परिवार में शामिल किया गया। तिलकधारी महिला महाविद्यालय में आयोजित सदर विधानसभा मिलन समारोह का शुभारंभ मुख्यअतिथि खेल एवं युवा कल्याण मंत्री माननीय गिरीश चंद्र यादव जी व नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मौर्या जी द्वारा पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के प्रतिमा पर पुष्पांजलि व दीप प्रज्वलित करके किया गया ततपश्चात विधानसभा संयोजक जसविंदर जी द्वारा वंदे मातरम का गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है हमने जो वादा किया था उसको पूरा भी किया हमने कहा था जब हम सत्ता में आएंगे तो धारा 370 खत्म कर देंगे हमने किया, राम मंदिर का निर्माण कराएंगे, आज वह भी वादा पूरा हो गया. मोदी जी के 10 वर्ष के कार्यकाल में बहुत से ऐसे कार्य हुए हैं और बहुत सी ऐसी योजना चल रही है जिससे एक सशक्त और स्वावलंबी भारत का निर्माण होगा। आज इस कार्यक्रम में मोदी सरकार और योगी सरकार द्वारा किए गए कार्यों से प्रभावित होकर सभी दलों छोटे से बड़े कार्यकर्त्ता भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने जा रहे हैं उन सभी कार्यकर्त्ताओ का भारतीय जनता पार्टी परिवार में स्वागत है अभिनंदन है। मुख्य अतिथि खेल मंत्री गिरीश चन्द्र यादव जी द्वारा जिन लोगो को भाजपा सदस्यता दिलाई उसमे प्रमुख रूप से कांग्रेस सेवादल के पूर्व जिलाध्यक्ष व अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ इन्द्रसेन श्रीवास्तव जी, सपा के वरिष्ठ नेता चार बार जिला पंचायत सदस्य हरेंद्र यादव जी, बहुजन समाज पार्टी की वरिष्ठ नेता माया गुप्ता जी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रामसेवक यादव जी, बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता वह पूर्व जिला पंचायत सदस्य इंद्रसेन मौर्य जी, निर्दल सभासद पोसकी साहू जी, निर्दल सभासद आनंद निषाद बच्चा जी, निर्दल सभासद राजेंद्र मौर्य नईगंज, निर्दल सभासद पुष्पा मनोज पटेल, सीमा चौहान जी, नीलमणि श्रीवास्तव जी, मनोज सोनकर जी, आलोक वर्मा जी व आप पार्टी के मनोज तिवारी के साथ साथ कुल 296 लोगो को पार्टी कि सदस्ता दिलाकर पार्टी में शामिल किया गया। मुख्य अतिथि के साथ अध्यक्षता कर ज्वाइनिंग कमेटी अध्यक्ष पूर्व जिलाध्यक्ष हरीशचंद्र सिंह, नगर पालिका परिषद किया अध्यक्ष मनोरमा मौर्या द्वारा सभी नए सदस्यों को पार्टी का पट्टाध्अंगवस्त्र,टोपी व माल्यार्पण करके स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में सदर विधानसभा के पाचो मण्डल से 296 लोगो को शामिल किया गया है जिसमे नगर अध्यक्ष उत्तरी विकास शर्मा /नगर अध्यक्ष दक्षिणी अमित श्रीवास्तव, मण्डल अध्यक्ष खेतासराय धर्मेंद्र मिश्रा, मण्डल अध्यक्ष गभीरण मदन सोनी व मण्डल अध्यक्ष करंजाकला राजकेसर पाल का सराहनीय योगदान है।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेंद्र जायसवाल ने किया

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ राम सूरत मौर्य, आशीष गुप्ता, अजय सिंह, खेल मंत्री के मीडिया प्रभारी मनीष श्रीवास्तव, नंदलाल यादव, कृष्ण कुमार जायसवाल, बसंत प्रजापति, संतोष मौर्य, मनीष सोनकर, राजेश गुप्ता, राजेश कन्नौजिया, इमरान खान, अभिषेक श्रीवास्तव, विकास पांडा, शिवकुमार मौर्य, डॉ कमलेश निषाद व सुनील यादव आदि लोगों उपस्थित रहे।

विभिन्न खेलों के खेल छात्रा वासों में प्रवेश हेतु चयन परीक्षण

जौनपुर। खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के अधीन संचालित योजनाओं में से छात्रावास योजना के अन्तर्गत वर्ष 2024–25 हेतु केन्द्रीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 02 अप्रैल 2024 से 16 अप्रैल 2024 तक आयोजित किया जायेगा। श्रेष्ठता एवं रिक्त स्थान के सापेक्ष शिविर में चयनित खिलाड़ियों का चयन प्रदेश में संचालित विभिन्न 16 खेलों में बालकध्बालिका वर्ग में किया जायेगा। जनपद स्तर का चयन परीक्षण जिम्नास्टिक, तैराकी, कुश्ती, हॉकी, वॉलीबाल, फुटबाल, बैडमिण्टन, टी0टी0 बालक वर्ग में 05 मार्च 2024 को होगा, क्रिकेट, कबड्डी, बास्केटबाल, तीरन्दाजी, एथलेटिक्स एवं बॉक्सिंग बालक वर्ग का 06 मार्च 2024 को होगा। जिम्नास्टिक, तैराकी, कुश्ती, हॉकी, वॉलीबाल, फुटबाल, बैडमिण्टन, टी0टी0, कबड्डी, बास्केटबाल, तीरन्दाजी एवं एथलेटिक्स बालिका वर्ग में 07 मार्च 2024 को आयोजित किया जायेगा। जनपद स्तर पर सफल खिलाड़ी निर्धारित तिथि को मण्डलीय चयन परीक्षण में प्रतिभाग करेंगे। मण्डल स्तर पर चयनित खिलाड़ी ही 13 मार्च 2024 से आयोजित होने राज्य स्तरीय चयन परीक्षणध्प्रतियोगिता में अपने मण्डल की ओर से प्रतिभाग करेंगे। जनपद स्तर एवं मण्डल स्तर पर खिलाड़ी अपने स्वयं के व्यय पर प्रतिभाग करेंगे। आवासीय क्रीड़ा छात्रावासों में प्रवेश के इच्छुक खिलाड़ी खेल साथी पोर्टल पर लाग–इन कर आवेदन करेंगे। पूर्ण रूप से आवेदन पत्रों को भरकर डैशबोर्ड पर उपलब्धा माध्यम से निर्धारित शुल्क को बैंकध्कोषागार में जमा किया जायेगा। खिलाड़ी की आयु की गणना 01 अप्रैल 2024 से की जायेगी। जिम्नास्टिक एवं तैराकी में 12 वर्ष से कम के खिलाड़ियों का परीक्षण होगा तथा अन्य खेलों में 15 वर्ष से कम आयु वर्ग के खिलाड़ियों का चयन किया जायेगा। मण्डल स्तर पर चयनित खिलाड़ियों को प्रदेश स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का समस्त व्यय खेल विभाग द्वारा वहन किया जायेगा। मण्डल स्तर पर मेडिकल बोर्ड का गठन कर खिलाड़ियों की जैविक आयु का अध्ययन करते हुए चयन किया जायेगा। प्रत्येक स्तर पर चयन शारीरिक दक्षता, खेल कौशल एवं खेल प्रदर्शन के आधार पर किया जायेगा। शारीरिक दक्षता में उत्तीर्ण खिलाड़ियों का ही खेल कौशल एवं खेल प्रदर्शन का परीक्षण लिया जायेगा, जो भी खिलाड़ी शारीरिक दक्षता परीक्षण को उत्तीर्ण नहीं करेंगे उनका चयन नहीं किया जायेगा। खेल साथी ऐप पर आवेदन–पत्र एवं चयन प्रक्रिया के सम्बन्ध में समस्त सूचना उपलब्ध है। उक्त जानकारी क्रीडा अधिकारी डा0 अतुल सिन्हा ने दी है।

रोटरी क्लब जौनपुर द्वारा नशे एवं लत के खिलाफ जन जागरूकता अभियान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजसेवा को समर्पित विश्व की सबसे बड़ी अंतराष्ट्रीय संस्था रोटरी क्लब की जौनपुर इकाई के अध्यक्ष सी ए सुजीत अग्रहरि के कुशल निर्देशन में कृष्णा ट्रामा व जॉइंट रिप्लेसमेंट सेंटर व सेंट जेवियर्स स्कूल के संयुक्त तत्वाधान में जौनपुर के युवाओं में मोबाइल, दोहरे व अन्य मादक पदार्थो की बढ़ती हुई लत के खिलाफ वृहद जनजागरूकता रैली का आयोजन किया । इस अभियान की शुरुआत जिले के वरिष्ठ बाल्य रोग चिकित्सक डॉक्टर क्षितिज शर्मा व मनीष चन्द्रा प्रबन्धक सेंट जेवियर्स स्कूल द्वारा सुतहट्टी चौराहे से हरी झंडी दिखा कर की गई। इस अवसर पर डॉक्टर क्षितिज शर्मा ने कहा कि रोटरी क्लब जौनपुर द्वारा बेहद गम्भीर विषय पर जनजागरूकता रैली का आयोजन किया जा रहा है। आज युवाओ में नशे की बढ़ती लत व मोबाइल द्वारा आभासी दुनिया से करीबी बनाना उनके अवसाद ग्रस्त होने का प्रमुख कारण है और यह प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि इसके खिलाफ लोगो को जागृत कर एक स्वस्थ समाज की बुनियाद रखे। प्रबन्धक मनीष चन्द्रा जी ने बताया कि सेंट जेवियर्स स्कूल के बच्चो ने इस अभियान में पूर्ण उत्साह के साथ प्रतिभाग किया है व शपथ ली है कि वो न केवल स्वयं बल्कि अपने दोस्त, रिश्तेदारों, पड़ोसियों को भी मोबाइल व अन्य प्रकार के नशे की लत से दूर रहने के लिए जागरूक करेंगे और जौनपुर को नशामुक्त बनाने में सहयोग करेंगे। रोटरी क्लब के द्वारा नशामुक्ति अभियान के वर्तमान मण्डल अधिकारी रविकांत जायसवाल ने लोगो से अपील की इस मुहिम को मात्र किसी संस्था की मुहिम न समझ उसे स्वयं के जीवन मे आत्मसात कर दूसरों को भी प्रेरित करे और आने वाली पीढ़ी को एक स्वस्थ और सकारात्मक संदेश दे। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष अमित कुमार पांडेय ने अभियान के आगामी विभिन्न चरणों के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि समाज की इस बुराई के खिलाफ हम सबको एक जुट होना पड़ेगा तभी हम एक स्वस्थ जौनपुर की परिकल्पना कर सकेंगे। पूर्व अध्यक्ष कृष्ण कुमार मिश्र ने लोगों को नशे से होने वाली बुराईयो के बारे में सचेत किया और आग्रह किया कि नशा नही खुशी अपनाइए अपना और अपने परिवार का जीवन सुखमय बनाइये । अध्यक्ष चयनित श्याम वर्मा जी ने पूरे अभियान को रोटरी क्लब जौनपुर का संकल्प यज्ञ बताया और कहा कि इसमें प्रत्येक नागरिक को सदस्यों को नशा रूपी बुराई की आहुति दे इससे

मुक्ति पाना होगा। संयोजक डॉक्टर रोबिन सिंह ने कहा कि रोटरी क्लब सदैव से समाज सेवा क्षेत्र में अग्रणी संस्था रही है आज देश यदि पोलियो के अभिशाप से मुक्त हुआ है तो वह रोटरी क्लब के प्लस पोलियो अभियान की देन थी व अब इसी क्रम में नशा मुक्ति अभियान निश्चित तौर पर जौनपुर ही नही देश भर में नशे के खिलाफ युवाओं को एकजुट कर इस अभियान को गति देगी और एक युवा होने के नाते मेरा सौभाग्य है कि मुझे भी इस अभियान का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त हुआ। इसी क्रम में सदस्य विशाल गुप्ता जी ने बताया कि युवाओ में धूम्रपान की बढ़ती लत न केवल उनके लिए बल्कि उनके साथ रह रहे लोगो के लिए भी हानिकारक है उन्होंने बताया कि यह वैज्ञानिक तथ्य है कि एक सिगरेट का धुआं जितना उसे पीने वाले को नुकसान करता है उससे ज्यादा जो उस धुंए के सम्पर्क में रहता है उसे नुकसान पहुंचाता है अतः हमें न केवल स्वयं बल्कि अपने इष्टजनों के लिए भी धूम्रपान की लत से छुटकारा पाना होगा । सदस्य संजय जायसवाल ने कहा कि यह अभियान आने वाले समय मे भी समुचित अंतराल पर आयोजित किया जाता रहेगा ।रैली में सेंट जेवियर्स स्कूल के बच्चों ने बेहद आकर्षक चित्रों पोस्टर्स बैनर्स और थ्री डी के मॉडल्स और झांकी के माध्यम से लोगो को नशे और मोबाइल की लत के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया ।

रैली में 100 से भी ज्यादा बच्चे और रोटरी संस्था के सदस्य उपस्थित रहे व रैली शहर के प्रमुख मार्गों सुतहट्टी, सब्जी मंडी, कोतवाली, हरलालका रोड, चहारसू चौराहा, ओलन्दगंज से होते हुए सद्भावना स्थित नवदुर्गा मन्दिर पर जा कर सम्पन्न हुई। इस अवसर पर रो राजीव साहू व सचिव चयनित रो शिवांशु श्रीवास्तव जी द्वारा उपस्थित बच्चो व नागरिको को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। रैली का समर्थन करने पहुंचे रो श्रवण श्रीवास्तव, रो संजय जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष रो प्रदीप सिंह, निवर्तमान अध्यक्ष रो अनिल गुप्ता, रो अनिल मौर्या , राजेश स्नेह ट्रस्ट के प्रबंधक राजेश जी द्वारा यह आह्वाहन किया गया कि रोटरी क्लब द्वारा नशे के विरुद्ध लगाई अलख को हम सबको समर्थन करना होगा व अपने कार्यस्थल पर नशा मुक्ति के समर्थन में लोगों को जागरूक करना होगा ।इस अवसर पर पुलिस प्रशासन सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे व बच्चो के कार्यो की भरपूर सराहना की। अंत में सचिव विवेक सेठी ने आगंतुकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

जनता को आवागमन में कोई भी असुविधा न हो अन्यथा की दशा में फर्म के विरू कठोरतम् कार्यवाही की जायेगी – जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के द्वारा अमृत योजना के अन्तर्गत जौनपुर शहर हेतु निर्माणाधीन सीवरेज योजना की समीक्षा बैठक उ0प्र0 जल निगम (नगरीय) के अधिकारियों तथा कार्यकारी फर्म मैसर्स टेक्नोक्राफ्ट कंस्ट्रक्शन, प्रा0लि0, नोएडा (उ0प्र0) के प्रतिनिधियों के साथ जनसुनवाई कक्ष में की गयी। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी द्वारा परियोजना की धीमी प्रगति पर एवं अन्य खोदी गयी सड़कों के समयान्तर्गत मोटरेबल व स्थायी पुनर्स्थापन न किये जाने से जनमानस को आवागमन में हो रही असुविधा पर अप्रसन्नता व्यक्त की गयी एवं कार्यकारी फर्म मैसर्स टेक्नोक्राफ्ट कंस्ट्रक्शन, प्रा0लि0, नोएडा (उ0प्र0) के प्रोजेक्ट मैनेजर अर्पित सिंघल को कड़े निर्देश दिये गये कि मैनपावर व टी0एण्ड पी0 बढ़ाते हुये प्रत्येक दशा में कार्यो को निर्धारित समय में पूर्ण करायें तथा जिन सड़को को खोदकर सीवर बिछाया जा रहा है उन्हें तत्काल मोटरेबल किया जाये एवं निर्धारित समयावधि में स्थायी पुनर्स्थापन का भी कार्य पूर्ण कराया जाये, जिससे जनता को आवागमन में कोई भी असुविधा न हो अन्यथा की दशा में फर्म के विरूद्ध कठोरतम् कार्यवाही की जायेगी। समीक्षा बैठक के बाद उन्होंने जनपद में निर्माणाधीन कार्यो एवं पूर्व में कराये गये कार्यो का निरीक्षण किया गया। जिसके अन्तर्गत मछलीशहर पड़ाव, बदलापुर पड़ाव, सद्भावना तिराहा होते हुये हरईपुर ड्रेन (टैपिंग प्वाइंट) का निरीक्षण किया गया और निर्देशित किया गया कि खोदी गयी सड़को को निर्धारित समयावधि के अन्दर पूर्ण करायें आदेशों की अवहेलना की स्थिति में कार्यकारी फर्म के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी। इस दौरान श्री सचिन सिंह, अधिशासी अभियन्ता व जूनियर इंजीनियर, निर्माण खण्ड, उ0प्र0 जल निगम (नगरीय), जौनपुर, श्री आशीष सिंह, परियोजना प्रबन्धक, गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई, वाराणसी, श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, जौनपुर, श्री पवन कुमार, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, जौनपुर, कार्यकारी फर्म मैसर्स टेक्नोक्राफ्ट कंस्ट्रक्शन, प्रा0लि0, नोएडा (उ0प्र0) के प्रोजेक्ट मैनेजर श्री अर्पित सिंघल, साईट इन्चार्ज श्री वेदप्रकाश मिश्रा व अन्य लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देश के क्रम में जिला विकास अधिकारीध्प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी वी0के0 यादव की अध्यक्षता में विकासखण्ड मुफ्तीगंज की ग्राम पंचायत देवकली में ग्राम चौपाल का आयोजन हुआ। चौपाल में समीक्षा के दौरान उन्होंने पाया कि गाँव मे वृद्धा पेंशन 104, निराश्रित पेंशन 70, दिव्यांग पेंशन 24, प्रधानमंत्री आवास योजना में 14, स्वच्छ शौचालय 250, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड पात्र गृहस्थी 621 व अन्त्योदय 78, हैण्डपम्प 380 आदि योजनाओं का लाभ लाभार्थियों को मिल रहा है। इस दौरान नये पात्र लाभार्थी वृद्धा पेंशन

04, राशन कार्ड 05, व्यक्तिगत शौचालय 05, किसान सम्मान निधि योजना के 63 लाभार्थियों का केवाईसी होना अवशेष है, तथा जिनका आयुष्मान कार्ड वितरित होना अवशेष है, उसे तत्काल लाभार्थियों को वितरित कर दिया जाय। योजनाओं के लाभार्थियों का आवेदन पत्र प्राप्त कर सम्बन्धित सचिव को निस्तारण हेतु उपलब्ध कराया गया। विधिवत सभी योजनाओं की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिया गया।

महिला थानाध्यक्ष मंजू देवी ने महिला को खोया पर्स वापस कराकर किया सराहनीय कार्य

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा के बाद से प्रतिदिन लाखों की संख्या में दूर दराज से राम भक्त आकर रामलला का दर्शन पूजन कर रहे है।ये भक्त दूर दराज से ट्रेन,बस व हवाई जहाज से भारी संख्या में आ रहें हैं।इन सभी श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी न हो इसके लिए यूपीएसएफ, पीएसी, नागरिक पुलिस, सीआरपीएफ, रोडवेज कर्मचारी, रेलवे कर्मचारी सहित महिला पुलिस कर्मियों के अच्छे व्यवहार के चलते इनकी तारीफ भी श्रद्धालु कर रहे हैं। अभी पिछले दिनों ममता पांडे पत्नी अरुण कुमार पांडे निवासी जनकपुरी कॉलोनी थाना कोतवाली अयोध्या जनपद अयोध्या मोबाइल नंबर 8429 106658 का पर्स रामलला का दर्शन करते हुए राम जन्मभूमि परिसर में गिर गया था। सूचना मिलते ही महिला थानाध्यक्ष मंजू देवी अपने कर्मियों के साथ ढूंढने में जुट गई जिसके चलते उन्हें यह पर्स प्राप्त हुआ।पर्स के अंदर एक स्लिप में ममता पांडे जी का नंबर लिखा हुआ था जिस पर कॉल करके उनको थाना स्थानीय पर बुलाया गया और उनको उनका पर्स पहचान करवाया गया ममता पांडे जी अपना पर्स पाकर खुश होकर उनकी व उनकी टीम की सराहना किया।

सपनों की उड़ान– दिल्ली पब्लिक स्कूल गोमती नगर विस्तार की नयी जूनियर शाखा का आरंभ"

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। नया दिन, नये वादें, नई उम्मीदें, नया संकल्प, नये तरीके, नई राहें,

शुभारंभ तो हो चुका है, दृढ़ निश्चय कर लिया है।

माँगते हैं शुभाशीष, हो जाये सफल हम अपने इरादों में!!

शिक्षा के क्षेत्र में नित नवीन विचारों से अलग पहचान बना चुका दिल्ली पब्लिक स्कूल गोमती नगर विस्तार अपनी नई जूनियर शाखा के प्रारंभ होने से और भी अधिक प्रशंसनीय हो गया है। दिनांक 14 फरवरी को दिल्ली पब्लिक स्कूल जूनियर शाखा गोमती नगर विस्तार में उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मिस जे रीबा(आई. ए. एस. डायरेक्टर माइनॉरिटी वेलफेयर) ,श्री राकेश कुमार पाण्डेय (डी आई ओ एस यूपी) ,आर जे पंखुडी ,श्री राहुल गुप्ता (पी सी एस डेप्यूटी डायरेक्टर माइनॉरिटी वेलफेयर ,डेप्यूटी कमिश्नर वफ्फ) उपस्थित थे तथा विद्यालय के गणमान्य अतिथि के रूप में सर मुखध्तारुल अमीन (प्रो वाइस चेयरमैन सुपर हाउस एजुकेशन फाउन्डेशन) मिस शाहिना अमीन (प्रो वाइस चेयर पर्सन सुपर हाउस एजुकेशन फाउन्डेशन) मिस नौशीन शादाब (डायरेक्टर डी पी एस गोमतीनगर) मिस मनदीप कौर (क्यू ए ,हेड) तथा तथा विभिन्न विद्यालयों की प्रधानाचार्या , उप प्रधानाचार्या व हेडमिस्ट्रेस उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रकृति प्रेम की भावना के साथ पौधों को पानी देकर तथा शस्य श्यामला धरती का संकल्प लेकर किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में सर्वप्रथम प्रेप के नन्हे मुन्नों द्वारा अपनी मृदु वाणी में प्रार्थना गीत प्रस्तुत किया गया। तथा पी जी के नन्हें मुन्ने बच्चों द्वारा अच्छे स्वास्थ्य तथा निरोगी काया के संदेश के साथ मिनियन डांस की प्रस्तुति दी गई । कक्षा 2 के छात्रों द्वारा वासुदेव वंदे नृत्य के माध्यम से शास्त्रीय नृत्य की विभिन्न मुद्राओं की प्रस्तुति दी गई । छोटे–छोटे होनहार बच्चो द्वारा रोबोट डांस प्रस्तुत किया गया। लैंगिक समानता व बच्चों की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर हृदयस्पर्शी अभिनय प्रस्तुतिकरण ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने हमें नृत्य, संगीत, और विभिन्न कला प्रस्तुतियों के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान बनाने का अवसर दिया। हमारे बच्चों ने अपनी कलात्मकता को दिखाया और विभिन्न विषयों पर आलोचनात्मक अभिवादन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रूपम सलूजा द्वारा विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई तथा विद्यालय की हेड मिस्ट्रेस मिस वरिन्दर कौर जी द्वारा नई शाखा की प्रक्रिया प्रणाली पर प्रकाश डाला गया तथा सभी को धन्यवाद उद्बोधन दिया गया।

महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने आटोमेटिक वेंडिंग मशीन का किया उद्घाटन

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। शुक्रवार को अयोध्या धाम में स्थित अंतरराष्ट्रीय मीडिया

सेंटर के पास धर्मपथ रोड पर ग्रीन गैस लिमिटेड द्वारा प्रायोजित व उत्कर्ष ग्लोबल फाउंडेशन द्वारा आयोजित कपड़े का थैला प्रदान करने के लिए स्वचालित मशीन (ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन) को नगर निगम अयोध्या के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी द्वारा इसका उद्घाटन किया गया। इस मौके पर महापौर गिरीश पति त्रिपाठी को उत्कर्ष ग्लोबल फाउंडेशन की राज्य समन्वयक पूनम झा ने शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर व ग्रीन गैस लिमिटेड के सी एस आर निर्देश आशुतोष लुंबिनी ने महापौर जी माल्यार्पण करके उनका स्वागत किया। महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने बताया कि इसका उद्देश्य एंकल प्लास्टिक उपयोग को अस्वीकार कर कपड़े के थैले को स्वीकार करके अयोध्या को प्लास्टिक मुक्त बनाना है, इस कड़ी में विभिन्न स्थानों पर यह स्वचालित मशीन स्थापित एवं संचालित करने की योजना है।

अपने संबोधन में महापौर ने अयोध्या को प्लास्टिक मुक्त करने के लिए संस्था द्वारा किए जा रहे। सार्थक प्रयासों की सराहना की और लोगों से अपील कि अभियान में बढ़–कर अपने दायित्वों का निर्वहन करें। इस अवसर पर संस्था की राज्य समन्वयक पूनम झा जिला समन्वयक कार्तिक कुमार ,वित्तीय प्रबंधन आरसी भट्ट,जागरूकता समन्वयक समीर हाशमी एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित थे। अंत में पूनम झा द्वारा आए हुए अतिथियों एवं कार्यक्रम में सहयोग के लिए महापौर जी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रतियोगिता में तारु मथुर और प्रमोद कुमार, इंस्पेक्टर/यूपी, पहले स्थान पर रहे

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट के चौथे दिन यूपी पुलिस हेडक्वार्टर्स में प्रतियोगिताएं 09:00 बजे से समय पर शुरू हुई जिसमे कंप्यूटर जागरूकता सत्र का प्रारंभ हुआ। प्रतिभागियों को संबोधित किया गया और मिलान लिया गया, फिर

पवन भारद्वाज और उनके पांच जजों की पैनल ने 47 प्रतिभागियों को संबोधित किया। प्रतियोगिता में तारु मथुर और प्रमोद कुमार, इंस्पेक्टरध् यूपी, पहले स्थान पर रहे, जिसके बाद चंदन सिंह और प्रहलाद राय गुर्जर, सीटीध्राजस्थान, दूसरे स्थान पर रहे, और अशोक यादव और सुनील दत्त, एएसआई /सीआरपीएफ, तीसरे स्थान पर रहे। इसके बीच, श्वान दस्ता की ट्रैकिंग प्रतियोगिता का अंत हुआ, जिसमें तीन दिनों के इवेंट में कुल 41 प्रतिभागी श्वान थे। दिन में सुगंध पहचान प्रतियोगिता की शुरुआत भी हुई, जिसे तीन ट्रेड्स में विभाजित किया गया था। विस्फोटक, नारकोटिक्स, और ट्रैकिंग। आज के परीक्षण में कुल 41 कुत्ते शामिल हुए, प्रतियोगिता रोमांचित और प्रतिस्पर्धिक होने का वादा करती है, तीन ट्रेड्स के लगभग 21 प्रतियोगिताओं के साथ प्रारंभ हुई। श्वान प्रतियोगिता परिणाम इस प्रकार है ट्रैकर डॉग्स में 1st बीएसएफ डॉग नाम रिया 2nd RPF डॉग नेम जयंती 3तक तमिलनाडु डॉग नेम टोनी. में प्रथम तमिलनाडु, द्वतीय तेलंगाना डॉग नेम रॉक्सी, तृतीय स्थान में पंजाब डॉग नेम बिंगो रहे. एक्सप्लोसिव में प्रथम स्थान पर तेलंगाना डॉग्स नेम श्याम, द्वितीय स्थान पर कर्नाटक डॉग नेम इश्यू, तृतीय स्थान पर ैठ डॉग नेम रॉक्सी रही। एंटी–सबोटाज चेक प्रतियोगिता में, जो की जेआर आरपीएफ अकादमी, लखनऊ के मुख्य हॉल में प्रक्रिया शुरू हुई। इस प्रतियोगिता में सामूहिक लिखित परीक्षण और व्यावहारिक अभ्यास शामिल थे, जिसमें 24 टीमों के 48 प्रतिभागी अपनी कौशल का प्रदर्शन कर रहे थे। जम्मू–कश्मीर टीम की अनुपस्थिति के बावजूद, प्रतियोगिता में कठिन प्रतिस्पर्धा थी, जिसमें प्रतिभागी छिपे हुए विस्फोटक सामग्रियों की पहचान कर स्थानों को सुरक्षित बनाने में अपनी कुशलता दिखाई। श्री एनके ध्यानी, सहायक निदेशक/आईबीध् मुख्य जज के नेतृत्व में, तीन सदस्यीय ज्यूरी ने प्रक्रिया का पर्यवेक्षण किया।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सम्पन्न होगी पुलिस परीक्षा

–75 हजार से अधिक परीक्षार्थी होंगे शामिल।

अयोध्या। नागरिक आरक्षी पुलिस भर्ती परीक्षा 17 व 18 फरवरी को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 38 परीक्षा केंद्रों पर सम्पन्न होगी। 75 हजार से अधिक परीक्षार्थी इस परीक्षा में शामिल होगे। प्रतियोगी परीक्षा प्रभारी मोती लाल मौर्या ने बताया कि 38 परीक्षा केंद्रों में सात परीक्षा केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में तथा शेष 31 परीक्षा केंद्र शहरी क्षेत्र में बनाये गये है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक परीक्षा दो पालियों में सम्पन्न होगी। इस तरह दोनों दिन कुल चार पालियों में यह परीक्षा सम्पन्न होगी। प्रत्येक पाली में 18,912 परीक्षार्थी इस परीक्षा में शामिल होंगे। यह परीक्षा सुबह 10 से 12 बजे तक, तथा शाम 03 से 05 बजे तक सम्पन्न होगी। उन्होंने बताया कि डीएम नीतीश कुमार द्वारा नामित सभी केन्द्रों पर केन्द्र व्यवस्थापक के अलावा 38 सह केंद्र व्यवस्थापक, 38 परीक्षा सहायक द्वितीय की तैनाती की गई है। जबकि 15 सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है।इन परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है।परीक्षा को नकल विहीन सम्पन्न कराने के लिये सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

राजस्थान के रंग में रंगा रामोत्सव, राम भजनों पर खूब झूमे श्रद्धालु

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामनगरी के राम कथा पार्क में रामोत्सव की श्रृंखला में राम भजन और नृत्यों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मंगलवार संध्या पहली प्रस्तुति पंडित सत्य प्रकाश मिश्र ने मंदिरों में गई जाने वाली बंदिश राम रूप अनुरागी अंखियां गाकर सभी को विभोर किया। अगली रचना भजमन राम चरण सुखदाई में शास्त्रीयता को लोक से जोड़ते हुए गाकर सभी को मंच से जोड़ लिया। इसके बाद भक्तों के भावों को स्वर दिया सांसों को माला पर सिमरू मैं प्रभु का नाम तो सभी भाव विभोर हो गए।इसके बाद मंच पर सुमित्रा देवी और उनके दल ने राजस्थानी लोकगीतों पर पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत करके राजस्थानी खुशबू से सरयू तीरे सभी को रंग दिया।महिला कलाकारो ने तोरोताली लोकनृत्य में अद्भुत करतब दिखाकर सभी को अचंभित दिया। घुटनों और पैरो के पंजों में मंजीरे बांध कर उन मंजीरों का हाथों से वादन करना और उसी के मध्य मुंह में तलवार पकड़ कर नृत्य करना रोमांचित रहा। दल की कलाकार रवीना ने इसके बाद राजस्थान का भवई लोक नृत्य किया।देर रात्रि तक चली सांस्कृतिक संध्या में रामोत्सव राजस्थानी रंग में रंग कर दर्शकों को राममय कर गया। संचालन आकाशवाणी के उद्घोषक देश दीपक मिश्र ने किया। अंतरराष्ट्रीय रामायण एवम वैदिक शोध संस्थान के निदेशक डॉ लवकुश द्विवेदी के निर्देशन में कलाकारों का सम्मान कार्यक्रम समन्वयक अतुल सिंह ने किया। चंद्र भूषण मिश्र,अनूप श्रीवास्तव,संत जानकी महाराज, बबुआ ,ऋतिका व श्रद्धालु देर रात तक जमे रहे।

समाज सेवा क्षेत में अलख जगाने वाले बसंत राम का जन्मदिन वृद्धा आश्रम में मना

अयोध्या। मां शांति सेवा फाउंडेशन बेनीगंज अध्यक्ष श्रीमती नेहा कुमारी सहित सदस्यों ने संस्था संस्थापक बसंत राम का जन्मदिवस महिला वृद्धा आश्रम में वृद्ध माताओ के साथ जन्मदिन मनाया, संस्थापक बसंत राम ने बताया कि वैलेंटाइन डे सिर्फ प्रेमी प्रेमिका का नहीं होता प्रेम माता–पिता भाई–बहन दोस्त और निर्धन आसाहय के साथ भी प्रेम बाटकर वैलेंटाइन डे मनाया जा सकता है वृद्ध माताओं के साथ जन्मदिवस मना कर उनके साथ जलपान एवं बातें करके आत्म संतुष्टि प्राप्त हुई और सभी माताओं ने आशीर्वाद के साथ जन्मदिवस की बधाई दिया मैं अपने आप को धन्य मानता हूं बड़ों की खुशी में ही अपनी खुशी होती है। अध्यक्ष नेहा कुमारी ने बताया कि बसंत पंचमी उत्सव वृद्ध आश्रम में माताओं के साथ मनाया गया और साथ ही पुलवामा में हुए शहीदों को सभी सदस्यों ने श्रद्धांजलि अर्पित किया कार्यक्रम में, श्रीमती प्रज्ञा श्रीवास्तव, डॉ देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव , मनोरमा साहू, डॉ पवन कुमार,डॉ सोनी शर्मा, सुषमा गुप्ता हरिश्चंद्र शोभाराम सूरज चौधरी अर्चना गोस्वामी नीलम श्रीवास्तव, प्राजंलि चौधरी सहित आदि लोग रहे।

गुब्बारों की उड़ान, उपहारों की बौछार, कुछ ऐसे मना फीनिक्स यूनाइटेड मॉल में प्यार का त्यौहार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्यार के खास दिन यानी वैलेंटाइन डे पर फीनिक्स यूनाइटेड मॉल ने अपने आगंतुकों के लिए एक यादगार शाम का आयोजन किया। शाम को मास्टर ऑफ सेरेमनी की अगुवाई में रोमांचक एक्टिविटी का आयोजन किया गया, जिसमें सवाल–जवाब के खेल के जरिए लोगों को शानदार उपहार मिले। ग्राहकों ने अपने प्यार के लिए दिल को छू लेने वाली परफॉरमेंस भी दी। इन उपहारों में मॉल के इन–हाउस ब्रांड कलरबार के फ्रीबी भी शामिल थे।

इस अवसर को और भी खास बनाने के लिए चौथी मंजिल से एट्रियम में एक हजार से अधिक गुब्बारों को छोड़कर ग्राहकों को आश्चर्यचकित किया गया। माहौल प्यार और खुशी से भरा हुआ था, जिसने इस खास दिन को और भी यादगार बना दिया। फीनिक्स मिल्स लिमिटेड के सीनियर सेंटर डायरेक्टर श्री संजीव सरीन ने कहा, ष्वैलेंटाइन डे प्यार और खुशी का जश्न मनाने का एक खास अवसर है। हम अपने ग्राहकों को एक बेहद खास अनुभव प्रदान करना चाहते थे और उन्हें प्यार का जश्न मनाने का एक अनूठा तरीका देना चाहते थे। हम इस आयोजन की सफलता से खुश हैं और उम्मीद करते हैं कि हम हमारे ग्राहकों के लिए वैलेंटाइन डे को और भी खास बनाने में कामयाब रहे।

हनुमंत लला को चढ़ने लगा देसी घी के लड्डुओं का चढ़ावा

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। विश्व प्रसिद्ध सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी में विराजमान हनुमंत लला को अब देसी घी से निर्मित लड्डू प्रसाद का चढ़ावा चढ़ने लगा है। दुकानदार ने पूर्व घोषित निर्णय के तहत बसंत पंचमी के दूसरे दिन गुरुवार से देसी घी से बने लड्डू प्रसाद की बिक्री शुरू कर दी है। इसके लिए मंदिर प्रशासन और दुकानदारों को प्रेरित किया था। हनुमानगढ़ी पर देसी घी से बने शुद्ध लड्डू प्रसाद की बिक्री की निगरानी भी हनुमानगढ़ी मंदिर प्रशासन की ओर से प्रारम्भ कर दी गई है। पहले दिन गद्दीनशीन के मुख्य शिष्य महेश दास दुकानदारों को दिए गए समयानुसार चेकिंग करने निकले। उन्होंने कई दुकानों पर जाकर लड्डू प्रसाद की गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने श्रद्धालुओं से भी बातचीत की और उन्हें प्रेरित किया कि शुद्ध लड्डू प्रसाद ही चढ़ावे के लिए खरीदें। उन्होंने बताया कि जांच में शुद्धता पाई गई है।जांच टीम के साथ मौजूद रहे महंत धनुषधारी दास ने बताया कि दुकानदारों को सिर्फ देशी घी से बने लड्डू को ही बेचने के लिए कहा गया है।

माघ मेला प्रयागराज मेला पुलिस नें अचला सप्तमी स्नान पर्व को कराया सकुशल सम्पन्न

–प्रभारी मेला राजीव नारायण मिश्र श्रद्धालुओं से होते रहे मुताबिक।

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। माघ मेला प्रयाग की पावन धरती पर गंगा यमुना अदृश्य सरस्वती के संगम में आज अचला सप्तमी के प्रमुख स्नान पर्व पर घने कोहरे के बीच भारी संख्या मे श्रद्धालुओं ने स्नान कर भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर दीपदान किया। इस दौरान श्रद्धालुओं/स्नानार्थियों के सुगम आवागमन व सुरक्षित स्नान सम्पन्न कराने हेतु व्यापक पुलिस प्रबन्ध किये गये द्य इस हेतु सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर नागरिक पुलिस यातायात पुलिस, महिला पुलिसकर्मी, अग्निशमन दल, पीएसी के जवान व्यवस्थापित किये गये हैं। इसके साथ ही संगम में प्रशिक्षित गोताखोरों की नियुक्त कर स्नानार्थियों की सुरक्षा हेतु कड़े प्रबन्ध किये गये हैं । 'स्टीमर' के माध्यम से संगम क्षेत्र का निरीक्षण किया गया तथा श्रद्धालुओं से अनुरोध किया गया कि सावधानीपूर्वक स्नान करें किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु को हांथ न लगाये। मेला में आने वाले स्नानार्थियों को आवागमन में कोई असुविधा न हो इस हेतु मेला क्षेत्र में ही 'पार्किंग' की समुचित व्यवस्था की गई एवं निकटतम पार्किंग स्थल तक वाहन ले जाने हेतु अनुमन्य किया गया जिसके फलस्वरुप संगम पार्किंग,महावीर पार्किंग,हेलीपैड पार्किंग स्थल पर वाहनों कि भरमार थीं। इस अवसर पर पुलिस उप–महानिरीक्षक/मेला प्रभारी डा राजीव नारायण मिश्र IPS, मेलाधिकारी दयानंद प्रसाद लगातार मेला क्षेत्र में रहकर सभी व्यवस्थायें पूर्ण कराते रहे । मेला क्षेत्र में आये हुये समस्त श्रद्धालुओं से 'पब्लिक एड्रेस सिस्टम' के माध्यम से भी अनुरोध किया जाता रहा कि मेला में आने जाने वाले रास्तों का उपयोग करे सकुशल स्नान करके अपने गंतव्य को वापस जाएं। पुलिस उप–महानिरीक्षक/प्रभारी माघ मेला द्वारा मेला क्षेत्र में भ्रमण के दौरान समस्त पुलिस कर्मियों की कुशलता लेते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया।

मेला क्षेत्र में 'सीसीटीवी कैमरों' के द्वारा चप्पे चप्पे पर नजर रखते हुये सतर्कता बरती गयी। सकुशल व सुरक्षित स्नान के लिये सभी अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारीगण व प्रशासन के आला अफसर मेला क्षेत्र में निरन्तर डटे रहे। मेला पुलिस की सतर्कता के फलस्वरुप भगवान सूर्य के जन्मोत्सव का पर्व अचला सप्तमी सकुशल व सुरक्षित संपन्न हुआ।

45 लाख लेकर दूसरे को लिख दी जमीन, पांच नामजद

अयोध्या। नगर कोतवाली पुलिस ने 45 लाख लेने के बावजूद दूसरे व्यक्ति के पक्ष में जमीन का बैनामा करने के मामले में दंपती समेत पांच लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।बताते चलें कि मऊ शिवाला निवासी राजेश सोनी ने बताया कि शहर के संगम विहार कौशलपुरी कालोनी निवासी महेश्वर दत्त मिश्रा की पत्नी पुष्पा मिश्रा से 2050 वर्ग मीटर भूमि ढाई करोड़ रुपये में खरीदने की बात हुई थी। उन्हें तत्काल पैसों की आवश्यकता थी। इसलिए 45 लाख रुपये आरटीजीएस के जरिए उन्हें भुगतान करके रजिस्ट्रीकृत बयानानामा लिखा गया। शेष पैसे लेकर बैनामा करने की बात हुई थी, लेकिन 10 मई, 2023 को उन्हीं भूखंडों को झारखंडी निवासी संस्कार बंसल को बेंच दिया। इसमें उनके पुत्र अभयदत्त मिश्रा व संस्कार बंसल के भाई अक्षत बंसल ने गवाह के रूप में हस्ताक्षर किया है। प्रभारी निरीक्षक अश्विनी पांडेय ने बताया कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करके जांच की जा रही है।

वामदलों ने मंहगाई को लेकर सरकार को घेरा

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। वामदलों ने गुरुवार को जिला मुख्यालय तहसील सदर पर मंहगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, संविधान व लोकतंत्र बढ़ते हमलों को लेकर विशाल धरना प्रदर्शन व सभा कर भाजपा सरकार के अन्याय राज के खिलाफ सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने जोरदार आवाज बुलंद की जिसकी अध्यक्षता माकपा जिला सचिव अशोक यादव, भाकपा (माले) जिला प्रभारी अतीक अहमद और संयुक्त किसान मोर्चा संयोजक मयाराम वर्मा के अध्यक्ष मण्डल ने और संचालन भाकपा जिला सचिव अशोक कुमार तिवारी ने किया।सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भाजपा सरकार से देश का हर वर्ग त्रस्त है। अमृत काल की बात कह कर पूरे देश में अन्याय का राज चलाया जा रहा है।एम एस पी की कानूनी गारण्टी व अन्य मांगों को लेकर आन्दोलन कर रहे देश के अन्नदाताओं के साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार किया जा रहा है । आज रोजगार की मांग को लेकर नौजवान, पुरानी पेंशन को लेकर कर्मचारी, अधिकारों की मांग कर रहे मजदूर, बराबरी और सुरक्षा की मांग कर रहीं महिलाओं की आवाज को दबाया जा रहा और उन्हें दमनात्मक तरीके से चुप कराया जा रहा है।वक्ताओं ने कहा कि आज देश का संविधान और लोकतंत्र खतरे में है। गैर भाजपा सरकारों को गिराया जा रहा है। ईडी,सीबीआई, आईटी के जरिए विपक्ष को तोड़ कर कमजोर किया जा रहा है। ऐसे समय में संविधान व लोकतंत्र की रक्षा के लिए हम सब को आगे आना होगा।वक्ताओं ने आगे कहा कि योगी सरकार में कानून के राज की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। अपराध व भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात करने वाली योगी सरकार में महिलाएं तक सुरक्षित नहीं हैं, प्रदेश में दबंगों द्वारा जुल्म अत्याचार की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं और भ्रष्टाचार का बोलबाला है। विकास के नाम पर लोगों को उजाड़ा जा रहा है। किसानों की जमीन पर्याप्त मुआवजा दिए ही उनसे छीन ली गई। पीढ़ियों से सार्वजनिक जमीनों पर बसे गरीबों को बिना मुआवजा और पुनर्वास के उजाड़ा जा रहा है। डबल इंजन की सरकार जनता के लिए डबल आफत बन गई है।सभा को भाकपा (माले) राज्य कमेटी सदस्य राम भरोस, भाकपा नेता रामतीर्थ पाठक, माकपा जिला कमेटी सदस्य मयाराम वर्मा, भाकपा नेता सूर्यकान्त पाण्डेय, राम प्रकाश तिवारी, रामजी राम यादव, शैलेन्द्र प्रताप सिंह भाकपा (माले) नेता उमाकांत विश्वकर्मा, महिला नेता सुनीता गौड़, राजेश वर्मा, राम सिंह, अजय शर्मा चंचल, घनश्याम यादव, माकपा नेता विनोद सिंह, बाबूराम यादव, हौंसिला प्रसाद, भाकियू के वरिष्ठ नेता कमला प्रसाद बागी, अवधराम यादव, अनिरूद्ध प्रताप मौर्य, राम सनेही यादव, आदि नेताओं ने सम्बोधित किया तथा आशीष कुमार और अयोध्या प्रसाद तिवारी ने अपने जोशीले व क्रांतिकारी गीतों के जरिए उपस्थित लोगों में उत्साह का संचार करते रहे।अंत में कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रपति और जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा गया।

आस्था ट्रेन से आने वाले राम भक्तों का घंटा-घडियाल तथा शंख ध्वनि से हुआ स्वागत

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। श्री राम मंदिर दर्शन अभियान के तहत रामभक्तों का अयोध्या आना लगातार जारी है। देश के विभिन्न प्रदेशों से राम भक्त आस्था स्पेशल रेलगाड़ियों से रामनगरी पहुंच रहे है। जिन्हें अयोध्या में व्यवस्था में लगे रामसेवकों द्वारा उनके आवास के स्थान पर पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। टेंट सिटी में रामभक्तों के लिए भोजन तथा अल्पाहार व्यवस्था के बाद सभी रामलला के दर्शन के लिए जाते है।गुरूवार को 8 आस्था स्पेशल गाड़ियों से रामभक्त अयोध्या पहुंचे। अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर तमिलनाडु, गुजरात व छत्तीसगढ़ से ट्रेने पहुंची। दर्शन नगर रेलवे स्टेशन पर गोवा से तथा अयोध्या कैंट स्टेशन पर दिल्ली से पहुंची। अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर जिपंअ रोली सिंह व आलोक सिंह रोहित के नेतृत्व में उदित सराफ, रोहित सिंह, कीर्तिवर्धन सिंह, सूरज सिंह, सौरभ पाण्डेय, मोहित दास, अंकुर सिंह ने तथा अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर हरीश श्रीवास्तव के नेतृत्व में राम भक्तों का स्वागत किया गया। सलारपुर रेलवे स्टेशन पर तीन ट्रेने पहुंची। जिसमें गुजरात, तेलंगाना तथा महाराष्ट्र से राम भक्त अयोध्या पहुंचे। स्टेशन पर कर्मवीर सिंह, अंकुर सिंह, आशीष श्रीवास्तव, वीर सिंह काका के नेतृत्व में पुष्प–वर्षा, घंटा–घडियाल, ढोल–नगाड़ा व शंख ध्वनि के बीच पुष्प वर्ष कर सभी का स्वागत किया गया। जहां से बसों द्वारा आवास व्यवस्था हेतु टेंट सिटी ले जाया गया। गाजियाबाद से बसों से लगभग बड़ी संख्या में रामभक्त अयोध्या पहुंचे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।